दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, सोमवार 09 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 30, अंक : 224 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

तीन दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, जहां एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने उनका स्वागत किया।

सुविचार

हमें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जो हम अपने बच्चों को करते देखने के इच्छुक नहीं है - विग्रम यंग

आतंकवाद वैश्विक शांति के लिए आज सबसे बड़ा खतरा है : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पीएम मोदी ने मलेशिया में द्विपक्षीय वार्ता के बाद आतंकवाद पर दिया बड़ा बयान

दोनों देशों ने व्यापार,रक्षा और डिजिटल सहयोग पर दिया जोर

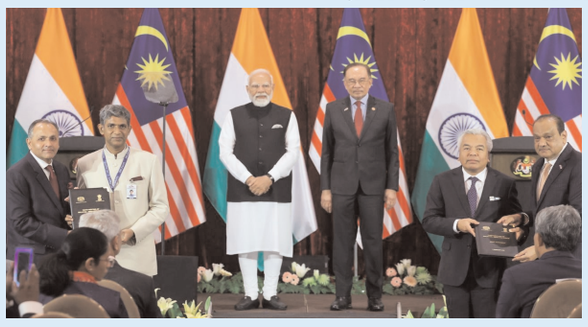

कुआलालंपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मलेशिया की दो दिनों की आधिकारिक यात्रा में जारी भारत-मलेशिया संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहराई देने तथा सहयोग के सभी प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों के विस्तार की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों देशों के ओर से जारी संयुक्त वक्तव्य के अनुसार,यह यात्रा भारत और मलेशिया के बीच सदियों पुराने सभ्यतागत संपर्कों,मजबूत जन-जन के रिश्तों और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित मित्रता को नई दिशा देने वाली रही। दोनों देशों ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, डिजिटल, ऊर्जा,शिक्षा,स्वास्थ्य,संस्कृति और क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दों सहित द्विपक्षीय सहयोग को व्यापक रूप से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। पीएम मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्ष 1957 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से भारत और मलेशिया के रिश्ते आपसी सम्मान,साझा हितों और लोकतांत्रिक परंपराओं पर आधारित रहे हैं। अगस्त 2024 में द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया था,जिसे मौजूदा यात्रा में और सुदृढ़ किया गया। दोनों पक्षों ने नियमित उच्चस्तरीय संवाद,विदेश कार्यालय परामर्श और संयुक्त आयोग बैठकों को द्विपक्षीय सहयोग की मजबूत आधारशिला बताया तथा संसदीय आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। व्यापार और निवेश को संबंधों का प्रमुख आधार बताते हुए दोनों नेताओं ने सेमीकंडक्टर, डिजिटल अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचा,नवीकरणीय ऊर्जा,उन्नत विनिर्माण,स्वास्थ्य,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक,स्टार्टअप और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को मलेशियाई कंपनियों के लिए एक प्रमुख निवेश गंतव्य बताया,जबकि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने मलेशिया में भारतीय कंपनियों की मजबूत उपस्थिति और उच्च कौशल रोजगार सृजन में उनके योगदान की सराहना की। दोनों देशों ने मलेशिया-भारत व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते और आसियान-भारत व्यापार समझौते की समीक्षा को समयानुकूल और पारस्परिक रूप से लाभकारी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कुआलालंपुर,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2026 की पहली विदेश यात्रा भारत और मलेशिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली साबित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री महामहिम दातो सेरी अनवर इब्राहिम के बीच रविवार को पुत्राजाया स्थित पर्दाना पुत्र परिसर में प्रतिनिधिमंडल स्तर की सार्थक वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं की मौजूदगी में कुल 11 महत्वपूर्ण दस्तावेज और समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। इनमें डिजिटल भुगतान और सुरक्षा सहयोग,सेमी कंडक्टर विकास और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा,भ्रष्टाचार निवारण और आपदा प्रबंधन,भारतीय कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तथा तकनीकी शिक्षा और मलेशिया का अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस में शामिल होना है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी का आज मलेशिया के प्रधानमंत्री महामहिम दातो सेरी अनवर इब्राहिम ने पर्दाना पुत्र परिसर में औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद,दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के आधिकारिक आवास सेरी पर्दाना में सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की। नेताओं ने व्यापक चर्चा की और 2024 में दोनों देशों के बीच स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने साझेदारी की नींव रखने वाले भारत-मलेशिया के सदियों पुराने संबंधों और घनिष्ठ जन-संबंधों को याद किया। नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, समुद्री क्षेत्र,स्वच्छ ऊर्जा, अवसंरचना, स्टार्टअप, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुर्वेद, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण परिदृश्य की समीक्षा की। नेताओं ने सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। उन्होंने द्विपक्षीय डिजिटल परिषद के माध्यम से दोनों देशों के बीच डिजिटल सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की सराहना की और फिनटेक सहयोग को बढ़ाने के लिए यूपीआई और पे-नेट के बीच हुए समझौते का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने संसदीय और विश्वविद्यालयीय आदान-प्रदान के माध्यम से युवाओं के बीच संबंधों को मजबूत करने का आह्वान किया। इसी बीच भारत के नालंदा विश्वविद्यालय और मलाया विश्वविद्यालय तथा मलेशिया के आईआईटी मद्रास और एडवांस्ड सेमीकंडक्टर अकादमी के बीच चल रहे सहयोग का स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि मलेशिया में भारत के पहले वाणिज्य दूतावास के खुलने से वाणिज्यिक और जन-संबंधों को मजबूती मिलेगी।दोनों नेताओं ने वैश्विक शासन सुधार,हिंद-प्रशांत क्षेत्र और भारत-आसियान साझेदारी में वृद्धि सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

भारत जैसे विशाल देश में न्यायपालिका के लिए तेजी से मुकदमों के निराकरण जरूरी : सूर्यकांत

सीजेआई सूर्यकांत समेत 25 हाईकोर्ट चीफ जस्टिस ने एआई से न्याय प्रक्रिया पर किया मंथन

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयोजित दो दिनी चीफ जस्टिस कॉन्फ्रेंस का आज रविवार को समापन हुआ। कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए भोपाल आए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और देश के 25 राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के परिजनों ने रविवार को भोपाल और आसपास के पर्यटन स्थलों की खूबसूरती का आनंद लिया है। नेशनल ज्यूडिशल एकेडमी में न्यायाधीशों की कॉन्फ्रेंस के बीच उनके परिजनों ने भीमबैठका,भोजपुर के विख्यात शिव मंदिर और ट्राइबल म्यूजियम समेत अन्य स्थानों में विजिट कर भोपाल की खूबसूरती को पास से देखा। इसके बाद रविवार दोपहर बाद सभी न्यायाधीश वापस लौट गए। भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (एनजेए) में शनिवार को हुई कॉन्फ्रेंस की खास बात यह रही कि दिल्ली के बाद भोपाल इकलौता शहर है जहां सीजेआई समेत सुप्रीम कोर्ट के 9 न्यायाधीश व हाईकोर्ट के सभी 25 चीफ जस्टिस एक साथ जुटे। यहां पहले दिन न्यायपालिका में तकनीक और एआई के इस्तेमाल पर फोकस रहा। इसमें जस्टिस सूर्यकांत समेत सुप्रीम कोर्ट के 9 न्यायाधीशों ने बात रखी। यहां कहा गया कि मुकदमों की पेंडेंसी निपटाने में एआई मददगार हो सकता है। मुकदमों की प्रक्रिया तेज करने में इसका इस्तेमाल होना चाहिए लेकिन फैसले में एआई की भागीदारी बिल्कुल न हो। फैसले तो पूरी तरह न्यायाधीशों के विवेकाधीन ही होने चाहिए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका में एआई के उपयोग और इसके विकास को लेकर एक समिति का गठन किया है। दिसंबर 2025 में इसका पुनर्गठन किया गया है। यह समिति सुप्रीम कोर्ट और अधीनस्थ न्यायपालिका में एआई टूल्स को अपनाने, विकसित करने और इनके उपयोग के लिए एक रोडमैप तैयार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा इसके अध्यक्ष हैं। भोपाल में हुई कॉन्फ्रेंस की थीम एकीकृत, कुशल और जन-केंद्रित न्यायपालिका रही। कॉन्फ्रेंस में देशभर के हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों ने डिजिटल नवाचार के माध्यम से भाषाई और भौगोलिक बाधाओं को तोड़ने पर विचार-विमर्श किया। एकीकृत, कुशल और जन-केंद्रित न्यायपालिका थीम पर जस्टिस जेके महेश्वरी,जस्टिस बीबी नागरत्ना, जस्टिस पी. नरसिम्हा, जस्टिस दीपांकर दत्ता,जस्टिस जॉय माल्या बागची,जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली ने अलग-अलग विषयों पर अपनी बात रखी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत का कहना है कि भारत जैसे विशाल देश में जन केंद्रित न्यायपालिका के लिए तेजी से मुकदमों के निराकरण (क्रिक डिस्पोजल) की व्यवस्था बनाना बहुत जरूरी है। इस काम में इन्फॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, डिजिटल डिवाइस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न्यायपालिका के काम की गति बढ़ाने में बड़ी मददगार हो सकते हैं। मौजूदा नीतियों में सुधार के साथ ही न्यायपालिका के परफॉर्मेंस का भी नियमित मूल्यांकन होना चाहिए। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत के साथ एनजेए के डायरेक्टर जस्टिस अनिरुद्ध बोस और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशगण ने इसमें विचार रखे।

मणिपुर में सेना के अभियानों में उग्रवादी संगठनों के तीन कैडर गिरफ्तार

इंफाल। राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए इंटेलिजेंस आधारित कॉम्बिंग, घेराबंदी और तलाशी अभियान बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय की तरफ से आज जारी बयान के अनुसार सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय जबरन वसूली करने वाले कैडर, सगोलसेम जॉयचंद्र सिंह (47) उर्फ बुंगचा,जो काकवा मखा नामेइरकपम लीकाई का रहने वाला है, को इंफाल पूर्वी जिले के इरिलबंग थाना क्षेत्र के कोंगबा नंदेइबम लीकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन, 40 रुपये समेत एक बटुआ और एक आधार कार्ड बरामद किया गया। इसी दिन सुरक्षा बलों ने प्रीपाक के एक सक्रिय कैडर, सेराम मणिमतुम मीतेई उर्फ मणि (20) को गिरफ्तार किया गया। आरोपित इंफाल पश्चिम जिला के सेकमाई थानांतर्गत सेन्जम खुनौ मयाई लीकाई का रहने वाला है। उसे उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। वहीं,अन्य एक अभियान में सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिला के काकचिंग थानांतर्गत काकचिंग लमखाई इलाके से एक जबरन वसूली करने वाले केवाकेएल कैडर तखेलंबम मोहन सिंह (31) को गिरफ्तार किया गया। आरोपित काकचिंग जिला के पल्लेल मानिंग लीकाई का रहने वाला है।

मुख्यमंत्री ने शहडोल जिले को दी विकास कार्यों की सौगातः

भक्तिभाव से शबरी मैया ने पूरे वनवासी समाज का बढ़ाया मानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने ग्राम गंधिया में माता शबरी की जयंती पर जनजातीय हितग्राही सम्मेलन में हुए शामिल

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिन्होंने निःशब्द रहकर अपनी पुण्य भावनाओं को अमर शब्द दे दिए, ऐसी शबरी मैया को पूरे मध्यप्रदेश की ओर से नमन है, वंदन है। जिनके जूठे बेर खाकर भगवान श्री राम भी भक्तिभाव से धन्य हो गये उस माता शबरी की महिमा कौन नहीं जानता। भगवान को बेर भी भेंट देने से पहले खुद बेर का मीठापन जांच लेना भक्ति का उत्कर्ष है। यह प्रसंग हमें बताता है कि भगवान भक्त की आराधना पद्धति के नहीं, बल्कि उसके मन के भावों के भूखे होते हैं। व्यक्ति का मूल्य उसके हृदय की पवित्रता से तय होता है, जन्म से नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोल समाज की कुल देवी शबरी मैया हम सबके लिए सदैव आराध्य हैं, पूजनीय हैं, वंदनीय हैं। उन्होंने अपने चरित्र एवं सत्कर्मों से पूरे वनवासी और जनजातीय समाज का मान बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को शहडोल जिले की ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गंधिया स्थित सीतामढ़ी धाम में माता शबरी जयंती पर आयोजित जनजातीय हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी परिसर में शबरी मैया की एक सुंदर प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम गंधिया से शहडोल जिले के लिए 747 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत वाले 139 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। इसमें 613 करोड़ रुपए से अधिक लागत से 79 कार्यों का लोकार्पण तथा 134 करोड़ रूपए से अधिक लागत के 60 कार्यों का भूमि पूजन शामिल है। मुख्यमंत्री ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में है। प्रदेश में पीएम जन-मन योजना के अंतर्गत 98 करोड़ 30 लाख रुपए और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 401.56 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया जा चुका है। हमारी सरकार ने जनजातीय समाज के नायकों की गौरव गाथाओं को शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शबरी माता ने बरसों भगवान श्री राम का इंतजार किया।कई साल तक राम का रास्ता निहारती रहीं। रोज अपनी कुटिया की सफाई करती रहीं कि आज नहीं, तो कल राम आएंगे। यह एक भक्त के अपने भगवान पर अटूट विश्वास का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम आए, शबरी मैया की भक्ति और स्नेह से अत्यंत भावविभोर हुए और उन्हें नवधा भक्ति का ज्ञान देकर मोक्ष भी प्रदान किया।

श्री गुरू ग्रंथ साहिब में केवल सिख संतों की नहीं,पूरे देश के संतों की वाणी है : डॉ.भागवत

मुंबई में आयोजित क्षितिज कार्यक्रम सत्र को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किया संबोधित

मुंबई, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में कहा कि अब भारत को तोड़ने वाले टूट जाएंगे, यह 1947 का भारत नहीं है। उन्होंने कहा कि 2047 में अखंड भारत के उदय की कल्पना करनी चाहिए। संघ प्रमुख डॉ.मोहन भागवत आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुंबई में आयोजित नए क्षितिज कार्यक्रम के दूसरे दिन पहले सत्र को संबोधित कर रहे थे। डॉ.भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि गुंडागर्दी कभी किसी पूरे समाज का दोष नहीं होती है। समाज की सजगता से विघातक गतिविधियों के नियंत्रण में सहायता मिलती है। संघ प्रमुख ने कहा कि वर्ष 2047 में अखंड भारत के उदय की कल्पना करनी चाहिए। अब भारत को तोड़ने वाले टूट जाएंगे,यह 1947 का भारत नहीं है। उन्होंने कहा कि सिख समाज से हमारा खून का रिश्ता है। हमारे बीच रोटी-बेटी का रिश्ता है। केशधारी और सहजधारियों के बीच वैवाहिक संबंध होते ही हैं। श्री गुरू ग्रंथ साहिब में केवल सिख संतों की नहीं,पूरे देश के संतों की वाणी है। हिंदू और सिख एकता का उल्लेख करने से वे अलग हैं। दो हैं ऐसा लग सकता हैं। वह गलत है। कारण हम सब एक ही हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि संविधान सम्मत जो भी आरक्षण हैं, उसे संघ का समर्थन है। जातिगत भेदभाव के सभी कारण पूरी तरह से समाप्त होने चाहिए। वंसत महोत्सव में हमारे तीसरे सरसंघचालक बालासाहब देवरस के भाषण पर आधारित पुस्तक सामाजिक समरसता और हिन्दुत्व में हमारा विचार पूरी तरह से स्पष्ट है। जातिगत भेदभाव के बारे में संघ की भूमिका स्पष्ट और ठोस है। जिन लोगों ने 2 हजार साल तक विषमता झेली, उन भाइयों के लिए अगर 200 साल तक हमें कुछ सहन करना पड़ा तो यह सौदा भी बहुत सस्ता है। राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले बहुत जातिवादी हैं या बहुत समतावादी हैं, ऐसा नहीं है। वह केवल वोटवादी हैं। जब समाज में पूरी तरह से समरसता स्थापित हो जाएगी तो वे भी जातिवाद के आधार पर राजनीति करना बंद कर देंगे। जाति नाम की व्यवस्था अब नहीं है,वह एक अव्यवस्था है। जातिवादी भावना जा रही है, जाएगी ही,वह सहजता से चले जाए,बस इतना ही प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ भ्रष्टाचार विरुद्ध है। हम शुद्धाचार के पक्ष में हैं। जिसका संस्कार अच्छा है, वह भ्रष्टाचार नहीं करेगा। चाणक्य कहते हैं पानी में मछली कब पानी पी जाती है, पता नहीं चलता.वैसे ही भ्रष्टाचार कब,कैसे होता है, समझना कठिन है। इसलिये भ्रष्टाचार,कायदा कानून सजा से नष्ट नहीं होगा,वो होगा तो केवल संस्कारों से ही होगा। उन्होंने कहा कि डाक्टर लोग कहते हैं कि 19 से 25 साल तक विवाह और कम से कम तीन बच्चे हों तो सभी स्वस्थ रहते हैं। जनसंख्या संतुलन के लिए 2-1 बच्चे होना आवश्यक है। 1 से कुछ होता नहीं। इसलिए तीन बच्चे होना एक आदर्श स्थिति है। ऐसा चिकित्सक,समाज विज्ञानी आदि सभी कहते हैं। बच्चों आदि का परिवरिश,यह कोई बड़ा विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि विवाह एक संस्कार है। जिम्मेदारी के साथ विवाह निभाना चाहिए। जनसंख्या असंतुलन के अन्य दो प्रमुख कारण हैं।

श्रद्धांजलि

29वीं पुण्य तिथि

स्व. श्री उमाशंकर तिवारी

जन्म 25 सितम्बर 1925

निधन 8 फरवरी 1997

पिताजी आज हमारे बीच नहीं हैं,

लेकिन उनके विचार और उपदेश हमारे कानों में आज भी गूंजते हैं और ऐसा लगता है कि वह हमें आज भी नई सीख दे रहे हैं। उनकी यादें हमें जीवन के अंतिम क्षण तक मार्ग प्रशस्त करती रहेंगी और हमारा जीवन सुखमय बनाती रहेंगी।

शैलेन्द्र तिवारी एडवोकेट (पुत्र)

उपेन्द्र तिवारी एडवोकेट (पुत्र)

सत्येन्द्र तिवारी (पुत्र)

एवं समस्त तिवारी परिवार

एवं राष्ट्रीय गरिमा परिवार

9425079923, 8602000701

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की दुनिया में बनी विषिष्ट छवि : गोविंद सिंह राजपूत

राहतगढ़ क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों को दी खाद्य मंत्री ने 20 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

महेश पाण्डेय भोपाल। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र में विकासखंड राहतगड़ के ग्राम उमरियासेमरा, चंदनहारी, हिनौतियाकलां, मानकीसलैया में 20 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की दुनिया में विशिष्ट छवि बनी है और डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश समावेशी विकास की ओर अग्रसर है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हमारी सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी के समग्र सशक्तिकरण में जुटी है। हमारी सरकार ने विकास को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने का काम किया है। यह सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण को अपनी प्राथमिकता मानकर आगे बड़ रही है। सरकार ने हर गरीब के सिर पर छत, हर घर में बिजली, पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएँ पहुँचाने का संकल्प लिया। जनधन, आयुष्मान भारत और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं ने गरीब के जीवन में सुरक्षा और सम्मान दोनों जोड़े हैं। किसानों के लिए सरकार ने सिर्फ राहत नहीं, बल्कि भविष्य की राह खोली है। किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, सिंचाई परियोजनाएँ और आधुनिक कृषि तकनीक ने किसान को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत कदम बड़ाए हैं। आज किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक रीड़ बन रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि युवाओं देश की सबसे बड़ी ताकत जिनके लिए सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों से युवाओं को जोड़कर रोजगार माँगने वाला नहीं, रोजगार देने वाला बनाया है। सरकार का विश्वास है कि जब युवा सशक्त होगा, तभी भारत विश्व गुरु बनेगा। मंत्री श्री राजपूत ने 5.20 लाख़ की लागत से बनने वाले मार्ग की घोषणा करते हुए कहा कि इससे लालबाग, उमरिया सेमरा, सागौनीखुर्द, कोरजा, टेहरा-टेहरी, कालीपठार, सेनकुआं, महुआखेड़ागौंड़ी, सहित लगभग 20 से अधिक ग्रामों के लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसके साथ मंत्री श्री राजपूत ने ग्राम उमरियासेमरा, चंदनहारी, हिनौतियाकलां तथा मानकीसलैया में मंगलभवन, सीसी रोड, बाउंड्रीवाल, सामुदायिक भवन, रविदास मंदिर चबूतरा, शासकीय प्राथमिक शाला में सुधार कार्य सहित 20 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

महाशिवरात्रि मेले से पूर्व अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की सख़्त कार्रवाई

32 लीटर हाथ भट्टी शराब व 830 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त, 10 प्रकरण दर्ज

हरदा। आगामी महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर चारखा में आयोजित होने वाले मेले को दृष्टिगत रखते हुए आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध सघन छापामार कार्रवाई की गई। दिनांक 07 फरवरी 2026 को कलेक्टर हरदा श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशानुसार तथा जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री ए.एस. बघेल के नेतृत्व में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। छापामार दल द्वारा लाल स्कूल के पास, खेडीपुरा, मसनगांव, वार्ड क्रमांक 05 खिरकिया, वार्ड क्रमांक 06 खिरकिया एवं चारूवा क्षेत्र में दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान कुल 32 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब एवं 830 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त कर मौके पर नष्ट किया गया। जब्त सामग्री के संबंध में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं (ख) के अंतर्गत कुल 10 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए, साथ ही 02 प्रकरणों में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया। जब्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 89,400 रुपये बताया गया है। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक श्री संग्राम सिंह गोरे, दीपिका वाईकर, पूनम भानकर सहित आबकारी आरक्षक एवं नगर सैनिकों का सराहनीय योगदान रहा। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

जैविक हाट बाजार का जिला पंचायत सीईओ ने किया निरीक्षण

हरदा। जिला पंचायत हरदा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ ने शुक्रवार को नेहरू स्टेडियम के समीप संचालित जैविक हाट बाजार एवं विकास खण्ड टिमरनी के जैविक हाट बाजार का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाजार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रीमती जोसेफ ने हाट बाजार परिसर और उसके आसपास की स्वच्छता को लेकर विशेष निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि बाजार क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि विक्रेताओं और ग्राहकों को एक स्वच्छ वातावरण मिल सके। सीईओ श्रीमती जोसेफ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को जैविक खाद्य पदार्थों के लाभों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य की दृष्टि से जैविक उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग आवश्यक है। प्रशासन का लक्ष्य है कि स्थानीय स्तर पर उत्पादित इन शुद्ध खाद्य पदार्थों के प्रति नागरिकों का रुझान बढ़ाया जाए, जिससे किसानों को बेहतर बाजार मिले और उपभोक्ताओं को उत्तम स्वास्थ्य का लाभ मिल सके आमजन को जैविक उत्पादों के प्रति प्रेरित करने के लिये प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रेरित किया जाए।

जिले में जैविक खेती को बढावा देने के लिए जिला पंचायत सीईओ ने किया ने निरीक्षण

हरदा 7 फरवरी 2026/ जिले में सतत कृषि और रासायनिक मुक्त खेती के अभियान को गति देते हुए शुक्रवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरदा श्रीमती अंजली जोसेफ ने विकासखंड हरदा के ग्राम नयापुरा का भ्रमण किया। उन्होंने यहाँ संचालित जैविक खेती परियोजनाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया और किसानों को पारंपरिक खेती छोड़कर प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। सीईओ ने ग्राम नयापुरा में विकसित किए जा रहे बायो रिसोर्स सेन्टर का जायजा लिया। उन्होंने किसानों द्वारा तैयार किए गए जैविक कीटनाशक (नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र) और जैविक खाद के भंडारण की व्यवस्था देखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नयापुरा के कृषकों से चर्चा करते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करके किसान अपनी खेती की लागत को 30ल से 40ल तक कम कर सकते हैं। सीईओ ने गांव की महिला स्वयं सहायता समूहों को भी वर्मी कंपोस्ट उत्पादन से जोड़कर अतिरिक्त आय अर्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नयापुरा के जैविक उत्पादों की ब्रांडिंग की जाए ताकि स्थानीय स्तर के साथ-साथ शहरों में भी इन उत्पादों को अच्छी पहचान मिल सके।

कांग्रेस की आदत है विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं में बाधा बनना : मंत्री नागर सिंह चौहान

खरगोन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हाल ही में वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट-2026-27 में बजट की घोषणाओं और नीतियों को आम जनता तक सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इसमें प्रदेश सरकार के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग मंत्री नागर सिंह चौहान, खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर जी पाटील ने बजट के 24 महत्वपूर्ण प्रावधानों, घोषणाओं की जानकारी दी।बड़ी संख्या में पहुंचे इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकारों से साझा की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे, पूर्व कृषि राज्यमंत्री एवं खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार, महेश्वर विधायक राजकुमार मेव आदि मौजूद रहे। मंत्री श्री चौहान ने पत्रकारों के विपक्ष द्वारा बजट पर उठाए जा रहे सवालों पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत किए गए इस बजट से समूचे देश में खुशी का माहौल है, इसे विकसित भारत के संकल्प को गति देने वाला बजट बताया जा रहा है, वहीं कांग्रेस की आदत बन गई है, देश के विकास के लिए बनाई जा रही योजनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं में खामियां निकालना, बाधाएं खड़ी करना। लेकिन जनता के सरकार पर भरोसे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास के चलते देश के तेजी से विकास कर रहा है। यह बजट बुनियादी ढांचे, पर्यावरण और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने वाला बजट है। इस बजट में महानगर, शहर विकास के साथ ही ग्रामीण विकास और ग्रामीण रोजगार, महिला सशक्तिकरण, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का भी ध्यान रखा गया है। इस बजट को ज्ञान का बजट कहें तो अतिश्योक्ति नही होगी। क्योंकि इसमें जी-गरीब, व्हाय युवा, ए-अन्नदाता और एन- नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मोदी सरकार ने अपने संकल्प को दोहराया है। यह बजट देश के 140 करोड़ नागरिकों के सपनों, आकांक्षाओं और भविष्य की मजबूत नींव रखने वाला बजट है। यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला, मध्यमवर्ग और उद्यमी के सशक्तिकरण की स्पष्ट दिशा का मार्ग प्रशस्त करता है। यह बजट इतिहास के उस बजट के रुप में याद किया जाएगा, जिसने विकसित भारत के संकल्प को पुर्ण किए जाने की दिशा में बढ़ते भारत के कदमों को गति दी है। पत्रकारवार्ता का संचालन पूर्व जिलाध्यक्ष परसराम चौहान ने किया। इस दौरान पूर्व जिला मीडिया प्रभारी मोहन जायसवाल सहित पत्रकार साथी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शहडोल के धनपुरी में जनता ने हर्षोल्लास से स्वागत किया।

सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का हुआ भव्य समापन

सेवा, समर्पण और संस्कार को जीवन में अपनाने का आह्वान : डॉ रघुवंशी

हरदा। हरदा आदर्श महाविद्यालय हरदा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम पंचायत कोलीपुरा के ग्राम कुंजरगांव में दिनांक 01/02/2026 से 07/02/2026 तक आयोजित सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का समापन समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विनीता रघुवंशी (पूर्व प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय टिमरनी) उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में शोभा वाजपेई (वरिष्ठ शिक्षाविद), शिवनारायण देवड़ा (सरपंच, ग्राम पंचायत कोलीपुरा, कुंजरगांव), अशोक जाट (सचिव) एवं ब्रजेश जाट (सहायक सचिव) शामिल रहे।समारोह की शुरुआत अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन तथा माल्यार्पण से हुई। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की सेवा भावना, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सहयोग की भावना और समाज के प्रति जिम्मेदारी का विकास करते हैं।इस अवसर पर रासेयो कार्यक्रम अधिकारी तपिश सोलंकी ने सात दिवसीय शिविर का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शिविर के दौरान आयोजित स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैलियां, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर का उद्देश्य स्वयंसेवकों को समाज सेवा के साथ जोड़कर सकारात्मक परिवर्तन लाना है।कार्यक्रम का सफल संचालन स्वयंसेवक लक्की ओसवाल ने किया। अंत में रासेयो सहायक कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र सोलंकी ने आभार व्यक्त करते हुए सभी अतिथियों, ग्रामवासियों एवं स्वयंसेवकों का सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं तथा अपने सात दिवसीय शिविर के दौरान की गई गतिविधिया एवं अनुभव को साझा किया।शिविर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। समापन के साथ ही स्वयंसेवकों ने समाज सेवा के संकल्प को आगे भी जारी रखने का संदेश दिया।इस दौरान महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक योगिता गौर, सुनील कुमार लौंगरे, भूतपूर्व सरपंच महेश शर्मा, महेश मुंडेल, पूर्व स्वयंसेवक जयंत राठौर, विक्की ठाकुर दल नायक गंभीर विश्नोई उपस्थित रहे।

दलौदा पुलिस की बड़ी सफलता

मंदसौर। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेशभर में संपत्ति संबंधी अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंदसौर जिले में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में सघन कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल एवं एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में थाना दलौदा प्रभारी उनि शुभम व्यास के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लहसुन चोरी करने वाली कुख्यात मुल्तानी गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार कर 5 क्विंटल चोरी किया गया लहसुन बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस के अनुसार थाना दलौदा क्षेत्र से बीते दिनों 5 क्विंटल लहसुन चोरी की घटना सामने आई थी। इस संबंध में फरियादी भेरूलाल पिता गोपाल माली उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम आक्या तथा मांगीबाई पिता रामलाल माली द्वारा थाना दलौदा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने अपराध क्रमांक 60/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई।

बिजली कंपनी के वॉट्सएप चैटबॉट से बिल डाउनलोड और बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध

हरदा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि वॉट्सएप चैटबॉट से बिल डाउनलोड एवं बिल भुगतान सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके लिए उपभोक्ता को कहीं भी जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि वे अपने मोबाइल के माध्यम से बिजली बिल डाउनलोड एवं भुगतान सहित अन्य 10 सेवाओं का फायदा उठा सकते हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि चैटबॉट नंबर 0755 2551222 पर '।द्ध' (हाय) लिखते हैं तो तुरंत आपके सामने क्रमशः 10 अलग-अलग सुविधाओं की सूची आ जाएगी। यदि आपको अपने घर का बिजली बिल भरना है तो इसमें 2 नंबर पर 'फॉर बिल' का ऑप्शन दिखता है। मैसेज बॉक्स में जैसे ही आप 2 लिखते ही आपको 1 नंबर 'फॉर व्यू एंड पे एलटी बिल' का ऑप्शन सहित तीन अन्य ऑप्शन भी दिखेंगें। जब आप अपने बिल के लिए 1 नंबर लिखेंगे तो दो ऑप्शन आएंगे। इसमें 1 नंबर पर 'टू यूज मोबाइल नंबर' और 2 नंबर पर 'फॉर इंटर कस्टूमर आईडी। इसमें आप अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के लिए जैसे ही 'टू यूज मोबाइल नंबर' के लिए 1 नंबर लिखेंगे तो आपके कनेक्शन नंबर दिखेंगे। इसमें जिस नंबर का बिल आपको चाहिए वह नंबर जैसे ही लिखेंगे तो तुरंत आपके मोबाइल पर बिल की पीडीएफ राशि सहित आ जाएगी। इसी में 'व्यू एंड पे' तथा 'पे नाऊ' का ऑप्शन दिखेगा। यदि आप पहले बिल देखना चाहते हैं तो 'व्यू एंड पे' को टच करेंगे। यदि आपको राशि देखकर उसे जमा करना है तो 'पे नाऊ' को टच करना होगा। जैसे ही आप 'पे नाऊ' को टच करेंगे तो आपसे भुगतान के विकल्प पूछे जाएंगे।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ

क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

बुंदेलखंड बुल्स को मिला दिग्गजों का समर्थन, हरभजन सिंह ने दी शुभकामनाएं

महेश पाण्डेय भोपाल। बुंदेलखंड की क्रिकेट टीम बुंदेलखंड बुल्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर के दिग्गज खिलाड़ियों का समर्थन मिलना क्षेत्रीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। युवा आइकॉन आकाश सिंह राजपूत के आग्रह पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एवं देश के प्रसिद्ध स्पिन बॉलर हरभजन सिंह ने बुंदेलखंड बुल्स के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामना संदेश प्रेषित किया है। अपने संदेश में हरभजन सिंह ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष युवराज महान आर्यमन सिंधिया की दूरदर्शी सोच और क्रिकेट के विकास के लिए उनके निरंतर योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से प्रदेश के साथ-साथ देश को भी नई क्रिकेट प्रतिभाएं मिलेंगी। हरभजन सिंह ने आकाश सिंह राजपूत की सोच, संघर्ष और प्रयासों की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए कहा कि युवाओं को अवसर देने और बड़े स्तर के आयोजनों के माध्यम से खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने का उनका प्रयास प्रेरणादायक है। उन्होंने बुंदेलखंड बुल्स के खिलाड़ियों से आपसी मित्रता, टीम भावना और सकारात्मक खेल भावना को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया। गौरतलब है कि आकाश सिंह राजपूत का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन में दर्ज है। उन्होंने पिछले वर्ष दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित कर यह उपलब्धि हासिल की थी, जिसकी सराहना स्वयं हरभजन सिंह ने भी की थी। इसके अलावा आकाश सिंह राजपूत बॉलीवुड के चर्चित कलाकार हैं और आश्रम, मिर्जापुर, पोरस जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में अभिनय कर लोगों के दिलों को जीत चुके हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में 10 लाख पौधारोपण कर वे 'भारत के ग्रीन मैन' की उपाधि भी प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में आकाश सिंह राजपूत एक बार फिर क्रिकेट महाकुंभ का आयोजन कर रहे हैं, वहीं बुंदेलखंड बुल्स की टीम मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग में भी हिस्सा ले रही है। इस पहल की सराहना करते हुए हरभजन सिंह ने बुंदेलखंड बुल्स सहित एमपी प्रीमियर लीग की सभी टीमों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, सोमवार 09 फरवरी 2026

लक्की ओबराय कत्लकांड में आरोपी का एनकाउंटर

अमृतसर। अमृतसर पुलिस ने लक्की ओबराय कत्लकांड में शामिल एक संदिग्ध शमिंद्र सिंह को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, लेकिन पुलिस ने जवाबी कार्रवाई कर उसे पिस्तौल सहित नियंत्रण में ले लिया। आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अमृतसर में मौजूद है। टीम ने नाकाबंदी कर तलाश शुरू की।

जब तर्क विफल हो जाते हैं,तो संस्थाओं को निशाना बनाया जाता : जाखड़

चंडीगढ़। पंजाब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ कांग्रेस सांसदों के पिछले आचरण को देखते हुए, उनके द्वारा अनुचित व्यवहार की आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के पद की गरिमा उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा।

हम जितनी सार्थक चर्चा करेंगे,उतनी ही बढ़ेगी सदन की मर्यादा : ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ने बिहार विधानसभा के स्थापना दिवस समारोह को किया संबोधित

पटना। बिहार विधानसभा के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जनप्रतिनिधियों को संसदीय मर्यादाओं के पालन और ज्ञान-आधारित सार्थक चर्चा पर जोर देते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाने का आह्वान किया। विधानसभा के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदन की प्रतिष्ठा और लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि प्रतिनिधि कितनी तैयारी और जिम्मेदारी के साथ चर्चा में भाग लेते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा हम जितनी सार्थक चर्चा करेंगे, उतनी ही सदन की मर्यादा बढ़ेगी। जब भी हम सदन के भीतर किसी विषय पर बोलें,तो उसके तथ्य और पृष्ठभूमि की जानकारी हमारे पास अवश्य होनी चाहिए। उन्होंने हाल के समय में विभिन्न सभागृहों में घटती संसदीय गरिमा पर चिंता व्यक्त करते हुए नारेबाजी, व्यवधान और वेल में आकर प्रदर्शन जैसी प्रवृत्तियों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संवाद,तर्क और विचार-विमर्श से मजबूत होता है, टकराव से नहीं। सशक्त विधायक,मजबूत लोकतंत्र विषय पर अपने उद्बोधन में ओम बिरला ने कहा कि जो जनप्रतिनिधि संविधान,संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को गहराई से समझते हैं,वही सदन को प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती लोकतांत्रिक विचारधारा और परंपराओं की महत्वपूर्ण जन्मस्थली रही है, जिसने देश की संसदीय व्यवस्था को वैचारिक आधार दिया है। उन्होंने विधायकों से आग्रह किया कि वे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों, किसानों, महिलाओं और युवाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ सदन में उठाएं, ताकि जन-जन की आवाज नीति निर्माण तक पहुंचे और समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास से सशक्त जनप्रतिनिधि ही लोकतंत्र को ऊर्जा देते हैं और कानून निर्माण की प्रक्रिया को सार्थक बनाते हैं। ओम बिरला ने यह भी कहा कि एक विधायक की वास्तविक शक्ति उसके नैतिक मूल्यों, जिम्मेदारी की भावना और संवैधानिक प्रक्रियाओं की समझ में निहित होती है। सक्षम और जागरूक विधायक शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विधायकों के क्षमता निर्माण पर भी जोर दिया और कहा कि प्राइड संस्थान इस दिशा में एक सशक्त मंच के रूप में उभरा है। बदलते समय में नए और अनुभवी दोनों प्रकार के विधायकों के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। विधायी ड्राफ्टिंग, नियमों की गहन समझ और शोध आधारित जानकारी को उन्होंने गुणवत्तापूर्ण कानून निर्माण की आधारशिला बताया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन लोकतंत्र का मंदिर है और उसकी गरिमा बनाए रखना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का सर्वोच्च दायित्व है।

अयोध्या में 'रन फॉर राम' का चौथा संस्करण आगामी 22 फरवरी को होगा

कुल 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि सभी श्रेणियों में वितरित की जाएगी

आयोध्या। आस्था, संस्कृति और विरासत से जुड़ी पावन नगरी अयोध्या 22 फरवरी को 'रन फॉर राम' के चौथे संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। राम कथा पार्क में होने वाले इस भव्य मैराथन का आयोजन क्रीड़ा भारती की ओर से किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मार्गदर्शन में स्थापित एक प्रमुख खेल संगठन है। यह आयोजन आध्यात्मिकता, शारीरिक फिटनेस और सामाजिक सहभागिता का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन, अनुशासन और मूल्यों से प्रेरित 'रन फॉर राम' अब केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि एक उद्देश्यपूर्ण जनआंदोलन बन चुका है। अयोध्या की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि में आयोजित यह मैराथन प्राचीन 14-कोसी परिक्रमा से प्रेरणा लेती है, जो आधुनिक मैराथन से बहुत पहले ही सहनशक्ति, एकाग्रता और आंतरिक शक्ति का प्रतीक रही है। अपने चौथे संस्करण में 'रन फॉर राम' में देश-विदेश से 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। इस आयोजन में एथलीट्स, फिटनेस प्रेमी, परिवार, पहली बार दौड़ने वाले प्रतिभागी, वरिष्ठ नागरिक और श्रद्धालु सभी एक साझा मंच पर एकत्र होंगे। इस अवसर पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख एल. मांडविया मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि %रन फॉर राम% उस प्राचीन भारतीय विचारधारा का प्रतीक है,जिसमें स्वस्थ शरीर को स्वस्थ चरित्र की नींव माना गया है। क्रीड़ा भारती की यह सामाजिक पहल लोगों को श्रीराम के मूल्यों से जुड़े रहते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करती है। महिला सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्त्री इंडिया स्पोर्ट्स फाउंडेशन इस आयोजन में नॉलेज पार्टनर के रूप में जुड़ा है। यह संस्था 'रन फॉर राम' को एक ऐसे आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित कर रही है, जहां महिलाएं और बालिकाएं अपनी आंतरिक शक्ति का प्रदर्शन कर सकें और राष्ट्रीय कल्याण में अहम भूमिका निभा सकें। क्रीड़ा भारती दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष भानु सचदेवा ने कहा कि रन फॉर राम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह फिटनेस, भक्ति और एक साझा लक्ष्य के माध्यम से लोगों को एकजुट करता है। मैराथन में चार प्रोफेशनली टाइम्ड रेस कैटेगरी होंगी, जिन्हें आरएफआईडी तकनीक और बेहतरीन ऑन-कोर्स सुविधाओं का सहयोग मिलेगा। प्रतिभागी 42 किमी और 21 किमी (18 वर्ष से अधिक आयु),10 किमी (12 वर्ष से अधिक आयु) तथा 3 किमी (सभी आयु वर्ग) की दौड़ में हिस्सा ले सकेंगे। इस आयोजन में कुल 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई है,जो सभी श्रेणियों में वितरित की जाएगी, ताकि हर स्तर के प्रतिभागियों को उत्साह और समर्पण के साथ भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिले।

पीएम मोदी के नेतृत्व में पंजाब बनेगा देश का अग्रणी राज्य : सीएम नायब सिंह

मुख्यमंत्री श्री सैनी ने पंजाब के पंजौला में आयोजित सम्मान समारोह को किया संबोधित

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आने वाला समय भारतीय जनता पार्टी का है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में पंजाब देश का अग्रणी राज्य बनेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही पंजाब में विकास की रफ्तार तेज होगी और केंद्र की सभी जनकल्याणकारी योजनाएं जमीन पर प्रभावी रूप से लागू की जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पंजाब के गांव पंजौला में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर आयोजक सतपाल पुनिया द्वारा मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ एवं सिरोपा भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां 24 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। किसानों की फसल मंडी में पहुंचते ही 48 घंटे के भीतर भुगतान सीधे उनके खातों में किया जा रहा है। प्राकृतिक आपदा से फसल खराब होने पर मुआवजा भी सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर किया जाता है, जिससे किसान आत्मनिर्भर और सुरक्षित महसूस कर रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा ने जो वायदे किए, उन्हें केवल कागजों तक सीमित नहीं रखा। संकल्प पत्र के 217 वायदों में से पहले चरण में 60 वायदे पूरे किए जा चुके हैं,जबकि शेष संकल्पों को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा का खून का रिश्ता है, संस्कृति और संस्कार एक जैसे हैं, इसलिए विकास का मॉडल भी सांझा होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं, जिसके लिए बजट में 5000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं पंजाब में महिलाओं को 1100 रुपये देने की घोषणा आज तक पूरी नहीं हो पाई है। यह भाजपा और अन्य दलों के काम करने के तरीके का बड़ा अंतर दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 1.50 लाख लोगों को मकान उपलब्ध कराए गए हैं।

गत सरकार के पांच साल से अधिक काम हुए हमारे दो साल में : भजनलाल शर्मा

राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम उत्थान शिविर एवं जनसभा को किया संबोधित

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। हमारी सरकार गांवों के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेशभर में लगाए जा रहे ग्राम उत्थान शिविर सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन शिविरों में जाकर सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी लें और उनका भरपूर लाभ उठाएं। लाडनूं में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर एवं जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का किसान, गरीब, पशुपालक सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों की शुरुआत की है जिससे ग्रामीणों को घर के नजदीक ही राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके। प्रधानमंत्री के ग्रामीण भारत को सशक्त करने के लिए उठाए अनेक कदम मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ग्रामीण भारत को सशक्त करने के लिए विकसित भारत जी राम जी कानून लेकर आई है। इस कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में साल में 125 दिन का पक्का रोजगार मिलेगा। हर काम डिजिटल तरीके से रिकॉर्ड होगा। इससे पूरी पारदर्शिता व तकनीक के सहारे काम होगा और मजदूरी सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत गांव में स्थायी संपत्ति बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश में 1500 से ज्यादा ग्राम उत्थान शिविर लगाकर 77 लाख से अधिक काम किए गए है। आमजन को 98 हजार से ज्यादा सोइल हेल्थ कार्ड तथा 55 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में 30 हजार किसान क्रेडिट कार्ड के आवेदन, 5 लाख 10 हजार पशुधन का इलाज तथा 77 हजार से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया गया है। साथ ही, पीएम सूर्य घर योजना के तहत करीब 29 हजार पंजीकरण हुए है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में किसानों को तारबंदी,डिग्गी,पाइप लाइन, सोलर पंप,फव्वारा सिंचाई जैसी योजनाओं की स्वीकृति से लेकर प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास आवंटन सहित विभिन्न कार्य करवाए जा रहे है। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार के दो साल के काम गत सरकार के पूरे पांच साल की तुलना में कई गुना ज्यादा है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा दो साल में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने नहरी तंत्र से 99 हजार 562 हैक्टेयर में सिंचाई सुविधा सृजित की।

एपस्टीन फाइल्स में अनिल अंबानी की चैट्स सामने आने से नया विवाद

नई दिल्ली। अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी 'एपस्टीन फाइल्स' में उद्योगपति अनिल अंबानी से जुड़ी बातचीत सामने आने के बाद एक बार फिर जेफ्री एपस्टीन के नेटवर्क को लेकर विवाद तेज हो गया है। इन दस्तावेजों में 2017 से 2019 के बीच एपस्टीन और अनिल अंबानी के बीच हुई कथित ईमेल और चैट बातचीत का उल्लेख है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इन संवादों में कारोबार, वैश्विक मुद्दों और निजी चर्चाओं का जिक्र है। 9 मार्च 2017 की एक बातचीत में एपस्टीन ने मुलाकात को दिलचस्प बनाने के लिए एक लंबी, सुनहरे बालों वाली स्वीडिश महिला का सुझाव दिया, जिस पर कथित तौर पर अंबानी ने इसे अरेंज करो लिखा। यह बातचीत उस समय की बताई जा रही है, जब एपस्टीन 2008 में नाबालिगों से जुड़े यौन अपराध में दोषी ठहराया जा चुका था। दस्तावेजों में यह भी सामने आया है कि अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच पेरिस और न्यूयॉर्क में मुलाकात की योजनाएं बनी थीं। मई 2019 में अंबानी के न्यूयॉर्क दौरे के दौरान एपस्टीन ने उन्हें मैनहैटन स्थित अपने घर बुलाया था, जहां दोनों के मिलने का दावा किया गया है।

बच्चों को एचआईबी संक्रमित खून चढ़ाने पर हाईकोर्ट के सख्त आदेश

झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले का मामला,एफआईआर के निर्देश

रांची। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में थैलेसीमिया से पीड़ित पांच मासूम बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने के गंभीर मामले में झारखंड हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद आखिरकार प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। हाईकोर्ट के निर्देश पर चाईबासा सदर थाना में सदर अस्पताल के ब्लड बैंक के तत्कालीन लैब टेक्नीशियन मनोज कुमार समेत अन्य संबंधित कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना अक्टूबर 2025 की बताई जा रही है। चाईबासा सदर अस्पताल में 5 से 7 वर्ष की आयु के पांच बच्चों को नियमित ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया। बाद में जब जांच कराई गई तो सभी बच्चों के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई, जिससे पूरे जिले में हड़कंप मच गया। बच्चों के परिजनों ने आरोप लगाया कि ब्लड बैंक में रक्त की जांच और स्क्रीनिंग प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरती गई। मामले की सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार की अदालत ने इसे अत्यंत गंभीर और मानव जीवन से जुड़ा मामला बताया। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीड़ित परिवार संबंधित थाना में शिकायत दर्ज कराएं और थाना प्रभारी तत्काल एफआईआर दर्ज करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों में देरी अस्वीकार्य है और इससे पीड़ितों को न्याय मिलने में बाधा आती है। अदालत के आदेश के बाद पीड़ित बच्चों में से एक की मां की ओर से दिए गए आवेदन पर चाईबासा सदर थाना में मामला दर्ज किया गया। सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि आवेदन में आरोप लगाया गया है कि ब्लड बैंक में निर्धारित मानकों के अनुसार रक्त की जांच नहीं की गई, जिसके कारण संक्रमित रक्त बच्चों को चढ़ा दिया गया और वे एचआईवी से संक्रमित हो गए। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और संबंधित दस्तावेजों व कर्मचारियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। हाईकोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जताई थी कि घटना उजागर होने के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में करीब चार महीने की देरी हुई।

सम्पादकीय

मप्र को केंद्र से पंचायती राज के लिए मिला 652 करोड़ का बूस्टर

मध्य प्रदेश की पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग के अनुदान के रूप में 652.55 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। यह राशि वित्त वर्ष 2024-25 की बंधनरहित अनुदान की दूसरी किस्त के रूप में है, जो राज्य की सभी 52 पात्र जिला पंचायतों, 312 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 23,001 पात्र ग्राम पंचायतों को लाभ पहुंचाएगी। साथ ही, पिछली किस्त के रोके गए 77 लाख रुपये भी तीन अतिरिक्त ब्लॉक पंचायतों और छह ग्राम पंचायतों को मुहैया कराए गए हैं। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त अनुदान ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को मजबूत करने का माध्यम बनेगा,जो स्वच्छता,जल आपूर्ति,सड़क निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास में सहायक होगा। मध्य प्रदेश जैसे कृषि-प्रधान राज्य में यह कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाला साबित होगा। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में पंचायती राज संस्थाएं (पीआरआई) लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने का आधार हैं। राज्य में कुल 52 जिला पंचायतें, 312 ब्लॉक पंचायतें और 23,001 ग्राम पंचायतें कार्यरत हैं, जो लगभग 7.8 करोड़ की जनसंख्या को कवर करती हैं। 73वें संविधान संशोधन के बाद यह त्रिस्तरीय व्यवस्था स्थापित हुई,जो ग्रामीण विकास को स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित करती है। पंद्रहवें वित्त आयोग ने 2021-26 की अवधि के लिए कुल 2.36 लाख करोड़ रुपये का अनुदान निर्धारित किया था,जिसमें मध्य प्रदेश को 6,339 करोड़ रुपये का हिस्सा मिलना है। इस अनुदान का बड़ा हिस्सा बंधनरहित है,जिसका उपयोग पंचायतें अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार कर सकती हैं। पिछले वर्षों के आंकड़े इस अनुदान की अहमियत को रेखांकित करते हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में मध्य प्रदेश को पंद्रहवें वित्त आयोग से 1,200 करोड़ रुपये से अधिक मिले थे, जिनका उपयोग जल जीवन मिशन,स्वच्छ भारत मिशन और ग्रामीण सड़कों पर हुआ। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2024 तक ग्राम पंचायतों ने 15,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कें बनाईं,जबकि स्वच्छता अभियान में 90 फीसद से ऊपर खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) गांव हासिल हो चुके हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसएसओ) के अनुसार, मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति आय 2023 में 1.2 लाख रुपये तक पहुंची, जो अनुदान से प्रेरित है। इस अनुदान से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। मध्य प्रदेश का ग्रामीण जीडीपी राज्य के कुल जीडीपी (2024-25 अनुमान 4.5 लाख करोड़ रुपये) का 55 प्रतिशत है। अनुदान से जल संरक्षण परियोजनाओं में निवेश बढ़ेगा, खासकर बुंदेलखंड और महाकौशल क्षेत्रों में जहां सूखा प्रभावित किसान हैं। उदाहरणस्वरूप, 2024 में राज्य ने 5,000 से अधिक तालाबों का जीर्णोद्धार किया, जिससे सिंचाई क्षमता 20 फीसद बढ़ी। इसके अलावा, महिला सशक्तिकरण के लिए पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण ने 1.5 लाख से अधिक महिला प्रतिनिधियों को सक्रिय किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव सरकार ने 2025 बजट में

संसदीय हंगामा-सबके लिए आत्मचिंतन का विषय है

> विपक्ष के हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मोदी दूसरे दिन भी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब नहीं दे सके, जिसके कारण यह प्रस्ताव उनके जवाब के बिना ही पास कर दिया गया। 2004 के बाद भारत के संसदीय इतिहास में यह दूसरी बार हुआ है कि भारत के प्रधानमंत्री को संसद में बोलने ही नहीं दिया गया। यह संसदीय परंपरा है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री के जवाब के बाद ही यह प्रस्ताव पारित किया जाता है। परंपरा का टूटना संसदीय गरिमा का गिरना है और इसके बाद सत्तापक्ष और विपक्ष में कटुता पैदा होने वाली है। इस घटना के बाद विपक्ष पर इसका कोई असर होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। राज्यसभा में जब प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे, तो विपक्षी दलों द्वारा हंगामा किया गया और इसके बाद विपक्ष ने प्रधानमंत्री के भाषण का बहिष्कार करते हुए संसद छोड़ दी। सवाल यह है कि इससे विपक्ष को क्या हासिल हुआ। जो बात प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कहनी थी, वो बात उन्होंने राज्यसभा में कह दी। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोकसभा में जवाब न देने पर विपक्ष ने कहा कि मोदी डरकर भाग गए हैं, लेकिन राज्यसभा में उनके दौरान विपक्ष ही सदन छोड़कर भाग गया।

राजेश कुमार पासी

विगत 4 और 5 फरवरी को संसद में जो कुछ हुआ है, वो बहुत शर्मनाक है। ऐसा लगता है कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में हार के बाद विपक्ष बौखला गया है, इसलिए संसद में अराजकता पैदा करके सरकार को परेशान करना चाहता है। संसदीय लोकतंत्र में संसद चलाना सरकार की जिम्मेदारी मानी जाती है, लेकिन विपक्ष के सहयोग के बिना यह संभव नहीं है। विपक्ष पूरी जिम्मेदारी सरकार पर डालकर, संसद में अराजकता फैला रहा है। विपक्ष के हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मोदी दूसरे दिन भी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब नहीं दे सके, जिसके कारण यह प्रस्ताव उनके जवाब के बिना ही पास कर दिया गया। 2004 के बाद भारत के संसदीय इतिहास में यह दूसरी बार हुआ है कि भारत के प्रधानमंत्री को संसद में बोलने ही नहीं दिया गया। यह संसदीय परंपरा है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री के जवाब के बाद ही यह प्रस्ताव पारित किया जाता है। परंपरा का टूटना संसदीय गरिमा का गिरना है और इसके बाद सत्तापक्ष और विपक्ष में कटुता पैदा होने वाली है। इस घटना के बाद विपक्ष पर इसका कोई असर होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। राज्यसभा में जब प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे, तो विपक्षी दलों द्वारा हंगामा किया गया और इसके बाद विपक्ष ने प्रधानमंत्री के भाषण का बहिष्कार करते हुए संसद छोड़ दी। सवाल यह है कि इससे विपक्ष को क्या हासिल हुआ। जो बात प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कहनी थी, वो बात उन्होंने राज्यसभा में कह दी। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोकसभा में जवाब न देने पर विपक्ष ने कहा कि मोदी डरकर भाग गए हैं, लेकिन राज्यसभा में उनके भाषण के दौरान विपक्ष ही सदन छोड़कर भाग गया। विपक्ष को सदन में बैठकर प्रधानमंत्री के जवाब को सुनना चाहिए। इसके बाद ही विपक्ष का हक बनता है कि वो कहे कि मोदी ने उनके सवालों का जवाब नहीं दिया। इस बार सत्र की शुरूआत से ही संसद में जैसे दृश्य देखने को मिले हैं, उससे संसद की गरिमा के गिरते स्तर का अंदाजा लगाया जा सकता है। संसदीय इतिहास में पहली बार है कि लोकसभा स्पीकर द्वारा संसद में प्रधानमंत्री पर विपक्षी सांसदों के हमले की आशंका जताई गई है। स्पीकर ओम बिरला का यह कहना कि उन्हें सूचना मिली थी कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ कोई अप्रत्याशित घटना घट सकती है, बहुत गंभीर बात है। विपक्ष की महिलाओं का प्रधानमंत्री मोदी की सीट को घेर लेना बता रहा है कि लोकसभा अध्यक्ष की आशंका पूरी तरह गलत नहीं थी। इसका दूसरा पहलू यह भी है कि उनकी बात से पीएम मोदी सहमत हो गए और संसद में नहीं आये। सवाल यह है कि ये प्रत्याशित घटना क्या हो सकती थी और इससे भारतीय संसद पर कितना बड़ा कलंक लग सकता था। जो हो नहीं हो पाया, लेकिन करने की कोशिश की गई, उसे ऐसे ही नहीं छोड़ा जा सकता। अगर किसी दुर्घटना को होने से रोक दिया जाए तो भी अपराधी को ऐसे ही नहीं छोड़ा जा सकता। लोकसभा में सबसे बड़ा नेता स्पीकर होता है और लोकसभा का पूरा प्रशासन उसके अधीन आता है। सवाल यह है कि स्पीकर महोदय ने प्रधानमंत्री को संसद में आने से क्यों रोक दिया। क्या वो इस हमले को रोकने का इंतजाम नहीं कर सकते थे। इस काम के लिए उनके पास कर्मचारी हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात किया जा सकता था। दूसरी बात यह है कि जिन सांसदों द्वारा पीएम मोदी पर हमले की आशंका थी, उनके खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं की गई। कुछ सांसदों के हमले की आशंका के कारण प्रधानमंत्री का सदन में नहीं आना, बेहर गंभीर घटना है। पीएम मोदी को रोककर लोकसभा अध्यक्ष ने अपनी कमजोरी जाहिर की है,उन्हें पीएम को रोकने की जगह, आक्रमणकारी सांसदों का इंतजाम करना चाहिए था। संसद में इतनी बड़ी साजिश करने वाले सांसद खुलेआम घूम रहे हैं, ये लोकतंत्र और संविधान के लिए सही नहीं है। प्रधानमंत्री पर हमले के लिए महिला सांसदों का इस्तेमाल बहुत सोच-समझ कर किया गया है। विशेष रूप से दलित और पिछड़े वर्ग की महिलाओं का इस्तेमाल करने की कोशिश बताती है कि साजिश बहुत गहरी थी। यह साजिश देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ नहीं है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान के खिलाफ है। ऐसा लगता है कि विपक्ष इस देश की संवैधानिक व्यवस्था से तंग आ गया है,क्योंकि वो अब अपने लिए बेहद सीमित अवसर देख रहा है। लगातार हार के बाद कांग्रेस केन्द्र की सत्ता में आने की उम्मीद खो चुकी है। राहुल गांधी के नेतृत्व में तो वो कभी पूर्ण बहुमत के साथ केन्द्र की सत्ता में आ भी नहीं सकती, इसलिए बौखलाहट में वो कुछ भी करने को तैयार दिखाई दे रही है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी पर हमले के बाद भाजपा सांसदों की प्रतिक्रिया को देखते हुए साजिश रची गई है। साजिशकर्ता जानते थे कि अगर विपक्षी सांसदों ने मोदी पर हमला किया तो भाजपा सांसद चुपचाप तमाशा नहीं देखेंगे, बल्कि बिना देर किए जवाबी हमला कर देंगे। इस हमले के बाद दोनों पक्षों के सांसदों में भंयकर हाथापाई हो सकती थी। सदन में भाजपा सांसदों की संख्या और प्रधानमंत्री की सीट से नजदीकी होने के कारण जवाबी हमला बहुत जल्दी और बड़ा हो सकता था। साजिशकर्ताओं द्वारा इस हमले के लिए दलित और पिछड़े वर्ग की महिला सांसदों का इस्तेमाल करने के पीछे की मंशा विक्टिम कार्ड खेलना हो सकता है। अगर महिला सांसदों को चोट लगती तो विपक्ष यह विमर्श चलाता कि भाजपा दलित और पिछड़ा विरोधी है,जो सांसदों तक को पीट देती है, आम लोगों का क्या होगा। कुछ विपक्षी नेताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री महिलाओं से डर गए और संसद में नहीं आए। उनके पास जेड प्लस सुरक्षा है, लेकिन वो महिला सांसदों से डर गए। ऐसा लगता है कि विपक्ष इस घटना की गंभीरता को समझ नहीं रहा है,लेकिन परेशानी यह है कि एनडीए सरकार भी इसे हल्के में ले रही है। यह बहुत गंभीर घटना है, लेकिन मीडिया ने भी इसे गंभीरता से नहीं लिया है। जिस साजिश के कारण प्रधानमंत्री मोदी सदन में नहीं आए, उस साजिश की गंभीरता कम कैसे हो सकती है। स्पीकर साजिश को जानते हुए भी साजिश को रोक नहीं पाए,बल्कि प्रधानमंत्री को ही रोक दिया, ये प्रशासन की नाकामी है। प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में उनकी सीट को घेरने वाली महिला सांसदों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई, जबकि वो साजिश का अहम हिस्सा थीं। सवाल यह है कि क्या इन्हीं महिला सांसदों का इस्तेमाल मोदी पर हमले के लिए किया जाना था।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए पॉजिटिव रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आपके अंदर अध्यात्म के प्रति लगाव उत्पन होगा। आप अपने ज्ञान और कार्य कौशल पर अधिक काम कर पायेंगे। आपके व्यापार में ग्रोथ होने की संभावना बढ़ेगी। आप किसी भी नई जिम्मेदारी को बेहतरीन तरीके से निभाएंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपको कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। अपने आपको साबित करने का मौका मिलेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे जातक अच्छी सफलता पायेंगे।

मिथुन राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आपकी रचनात्मक समझ बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में आप सक्रिय नजर आएंगे। मांगलिक कार्यों में खर्च होने के योग हैं। आपको आपके व्यवसाय में बड़े सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। कारोबार के सिलसिले में की गई यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। आप फाइनेंस से जुड़े बड़े निर्णय ले सकते हैं। सौन्दर्य प्रसाधन का कारोबार करने वाले लोगों को बड़ा आर्डर मिलेगा।

सिंह राशि : आज आप फिट और उत्साहित महसूस करेंगे। कुछ बड़े आर्डर मिलने से आपका व्यापार बढ़ेगा। आपके इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। आपको शुभ समाचार मिलने के योग हैं। सरकारी जॉब मिलने की संभावना है। आपको आपके सीनियर्स का साथ मिलेगा। आपके कार्यों की सराहना होगी।

कन्या राशि : आज आपको बेहतर अवसर मिलेंगे। आपको नौकरी में अच्छे अवसर के साथ बदलाव के योग हैं। व्यापारियों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए दिन अच्छा है। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब के लिए ऑफर मिल सकता है।

तुला राशि : आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आ रही चुनौतियों में कमी आएगी पारिवारिक माहौल खुशहाल रहेगा। आज आपको आपकी काबिलियत से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। नौकरी में बदलाव के योग हैं। आपका आत्मविश्वाश बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। इस दौरान आमदनी के साथ खर्चे भी बढ़ेंगे। संतान की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। यह संतान के विवाह संबंधी भी हो सकती है। व्यापारियों के लिए दिन सामान्य रहेगा।

धनु राशि : आपके लिए आज का दिन शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको खास उपलब्धि मिलेगी। आपके सोचने समझने की क्षमता बढ़ेगी। इस दौरान आपको आलस से बचना होगा। साझेदारी में काम कर रहे व्यापारियों के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के सहयोग से अपने काम को बेहतर तरीके से पूरा करेंगे। आज घर में बेटी की तरक्की से परिवार का माहौल खुशी से भरा रहेगा। फार्मिंग का कारोबार कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा।

कुंभ राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके दाम्पत्य रिश्ते में सुधार आएगा। जीवनसाथी के लिए पसंदीदा उपहार खरीदेंगे। आज आप कहीं बाहर घूमने जा सकते है जहाँ आप अच्छा समय बिताएंगे। आज आपके अन्दर कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज धन लाभ के साथ-साथ खर्चें भी बढ़ेंगे। आज ऑफिस में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। आप संयम के साथ परेशानी से बाहर निकल पाएंगे। आपको अचानक धन लाभ होने के योग हैं। आज आप अपने पारिवारिक जीवन में आनंद महसूस करेंगे। इस दौरान आप अपने को शांत रखने की कोशिश करेंगे।

महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में कुछ भी नया नहीं

अजीत द्विवेदी

यह सवाल हो सकता है कि महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में ऐसा क्या है, जिसका राष्ट्रीय राजनीति के नजरिए से विश्लेषण होना चाहिए? आखिर पिछले दिनों पंजाब में स्थानीय निकाय चुनाव हुए तो सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने क्लीन स्वीप किया तो तेलंगाना में भी स्थानीय निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने सफलता का परचम लहराया है। हाल के दिनों में केरल एकमात्र अपवाद है, जहां स्थानीय निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट बुरी तरह से हारा और कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की। हालांकि उसके भी कारण स्पष्ट हैं। एलडीएफ की 10 साल की सत्ता के खिलाफ नाराजगी लोकसभा चुनाव में भी प्रकट हुई और स्थानीय निकाय चुनाव में भी प्रकट हुई। इस अपवाद के बावजूद यह एक सामान्य निष्कर्ष है कि स्थानीय निकाय चुनावों में वही जीतता है, जिसकी राज्य में सरकार होती है। शायद ही कभी इसका अपवाद होता है। इस निष्कर्ष या स्थापित राजनीतिक सिद्धांत के आधार पर देखें तो महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में कुछ भी नया नहीं है। ध्यान रहे इससे पहले आखिरी बार 2017 में महाराष्ट्र में नगर निकायों के चुनाव हुए थे और तब भी मोटे तौर पर नतीजे ऐसे ही आए थे। इसके बावजूद इस बार के चुनावों का कुछ खास संदेश है और उनका विश्लेषण होना चाहिए। इससे पहले मुंबई नगरपालिका यानी बीएमसी और अन्य शहरी निकायों के चुनाव जैसी सामान्य परिस्थितियों में होते थे इस बार वैसा नहीं था। पिछले चुनाव के बाद करीब नौ साल में महाराष्ट्र की राजनीति बहुत बदल गई है। बीएमसी पर करीब पांच दशक तक कंट्रोल रखने वाला ठाकरे परिवार कमजोर हुआ है। शिव सेना का दो हिस्सों में विभाजन हो गया है। महाराष्ट्र की समकालीन राजनीति के सबसे बड़े नेता शरद पवार की बनाई पार्टी एनसीपी दो हिस्सों में बंट गई है। उनके भतीजे अजित पवार असली एनसीपी के मालिक हैं। इस बार का चुनाव दोनों बड़ी प्रादेशिक पार्टियों के विभाजन के बाद का पहला चुनाव था और भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र की राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने के बाद का भी पहला चुनाव था। इस चुनाव की एक खास बात यह भी थी कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व यानी नरेंद्र मोदी और अमित शाह की छाया से मुक्त होकर पहली बार स्वतंत्र रूप से अपने नेतृत्व के दम पर चुनाव लड़े। याद करें कैसे हैदराबाद नगर निगम के चुनाव में प्रचार करने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गए थे। इस बार मोदी, शाह और योगी या भाजपा का राष्ट्रीय स्तर का कोई भी नेता प्रचार के लिए नहीं गया। अकेले देवेंद्र फड़नवीस ने पूरे राज्य में प्रचार किया। वे मुंबई, ठाणे, पुणे की गलियों में घूमे। जहां गाड़ी पहुंचने का साधन नहीं था वहां वे मोटरसाइकिल से गए। सो, इस बार के चुनाव की कामयाबी 'देवा भाऊ' के रूप में देवेंद्र फड़नवीस की जगह को और मजबूत करने वाला था। विधानसभा चुनाव की जीत के बाद उनको साबित करना था कि वे महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य और चंद्रगुप्त दोनों हैं। उन्होंने यह साबित किया और निश्चित रूप से इसका असर आने वाले समय में भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ेगा। पिछले दो साल में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के लिए चुनावी मुकाबला एक-एक की बराबरी पर छूटा था। 2024 के मई में लोकसभा चुनाव में भाजपा विरोधी महाविकास अघाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया था। राज्य की 48 में से 31 सीटों पर अघाड़ी की जीत हुई थी। कांग्रेस ने 13 सीटें जीतीं तो उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने नौ और शरद पवार की एनसीपी ने आठ सीटें जीतीं। भाजपा और उसकी दोनों सहयोगी पार्टियां 17 सीटों पर सिमट गईं, जबकि चुनाव से पहले उनके पास 44 सीटें थीं। उन्होंने 27 सीट गंवाई। लेकिन उसी साल हुए विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी साफ हो गया और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने 288 में से 230 सीटें जीत लीं। अकेले भाजपा को 132 सीटें मिलीं। एकनाथ शिंदे की पार्टी ने 51 और अजित पवार की पार्टी ने 47 सीटें जीतीं। पूरा महाविकास अघाड़ी 46 सीटों पर सिमट गया। सो, एक-एक की बराबरी के बाद नगरपालिका का चुनाव निर्णायक था। इसमें महायुति ने विधानसभा चुनाव से बेहतर प्रदर्शन किया। 29 में से 25 महानगरपालिकाओं में महायुति के मेयर बनेंगे। इससे पहले ग्रामीण निकायों के चुनाव में भी महायुति ने बहुत बड़ी जीत हासिल की थी। सो, अब महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी यानी भाजपा विरोधी पार्टियों के गठबंधन को अपने भविष्य को लेकर नए सिरे से विचार करने की जरुरत है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि एक एक करके ऐसे राज्यों में भाजपा अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है, जो पारंपरिक रूप से उसके मजबूत आधार वाले राज्य नहीं रहे हैं। महाराष्ट्र ऐसे ही राज्यों में से है। वहां 2014 तक लगातार 15 साल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार थी और हारने के बाद भी कांग्रेस 30 फीसदी वोट कमांड करती थी। बहुत समय नहीं बीता, जब भाजपा वहां शिव सेना के सहारे राजनीति करती थी। शिव सेना बड़े भाई की भूमिका में होती थी। लेकिन वहां भाजपा ने शिव सेना को तोड़ा और फिर शरद पवार की एनसीपी को तोड़ा और अब अकेले दम पर बाकी सभी पार्टियों की कुल जमा हैसियत के बराबर पहुंच गई है। महाराष्ट्र उसके लिए गुजरात, मध्य प्रदेश जैसा राज्य बन रहा है। बिहार भी ऐसा ही राज्य है और ओडिशा भी। भाजपा पांचवें और छठे दशक वाली कांग्रेस की तरह पूरे देश की सबसे बड़ी पार्टी बनती जा रही है और उसे रोकना कांग्रेस या प्रादेशिक क्षत्रपों के वश की बात नहीं रह गई दिखती है। जैसे जैसे यह धारणा बन रही है कि कांग्रेस या दूसरी प्रादेशिक पार्टियां भाजपा को नहीं रोक पा रही हैं और इस असफलता से घबरा से कांग्रेस के नेता भाजपा में जा रहे हैं या प्रादेशिक पार्टियां सीधे भाजपा से हाथ मिला ले रही हैं वैसे वैसे देश के मुस्लिम मतदाता नए विकल्प की तलाश तेज करते जा रहे हैं।

महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया एमआईएम को मिली कामयाबी इसका संकेत है। छत्रपति संभाजीनगर में वह दूसरे नंबर की पार्टी बनी है तो मालेगांव में पहले नंबर की पार्टी बनी है। नांदेड़ और मुंबई में भी उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मुस्लिम बहुल इलाकों में बिना किसी हिचक के मुस्लिम मतदाताओं ने ओवैसी की पार्टी का समर्थन किया। यह परिघटना बिहार विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिली थी। यह वैचारिक स्तर पर भी कांग्रेस और दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियों की विफलता को रेखांकित करता है। इसका बहुत बड़ा असर आने वाले दिनों में देश की राजनीति पर पड़ेगा। महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव नतीजों का बहुत साफ संदेश ठाकरे परिवार के लिए है तो पवार परिवार के लिए भी है। दोनों तेजी से अपनी प्रासंगिकता गंवा रहे हैं। मुंबई छोड़ कर बाकी उन सभी हिस्सों से उद्धव ठाकरे की पार्टी साफ हो गई, जहां पारंपरिक रूप से शिव सेना का असर था। ठाणे और कल्याण डोंबिवली का इलाका एकनाथ शिंदे ले गए तो कोंकण का इलाका नारायण राणे के साथ चला गया। पवार परिवार ने तो पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा दोनों इलाकों में अपना आधार गंवा दिया। पुणे, पिंपरी चिंचवाड़ और परभणी में शरद और अजित पवार की पार्टी मिल कर लड़े थे फिर भी कोई असर नहीं हुआ। उनकी पार्टी बुरी तरह से हारी। उद्धव ठाकरे के लिए संतोष की बात है कि मुंबई में मेयर पद भले नहीं मिला लेकिन आगे की राजनीति करने के लिए मराठा वोटों का आधार बच गया। लेकिन इससे उप राष्ट्रीयता की राजनीति की सीमाएं भी जाहिर हुई हैं। उनको भी अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। उनके दादा प्रबोधंकर ठाकरे ने बहुजन आधारित मराठी अस्मिता का वैचारिक आधार बनाया था, जिसे बाल ठाकरे ने लोकप्रिय नारों से आगे बढ़ाया। शिव सेना को भाजपा ब्रांड हिंदुत्व के समानांतर अपने हिंदुत्व की राजनीति बचानी है तो मराठी अस्मिता के साथ जातीय व सामाजिक समीकरण पर भी ध्यान देना होगा। पवार परिवार एकजुट होने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। ऐसा करके वे मराठा राजनीति में अपनी प्रासंगिकता कितनी बनाए रख पाते हैं यह देखने वाली बात होगी। महाराष्ट्र चुनाव का एक संदेश भाजपा की अपनी सहयोगी पार्टियों के लिए भी है। भाजपा ने दिखा दिया है कि महाराष्ट्र में कामयाबी उसके साथ रह कर ही मिलेगी। जहां भी भाजपा के सहयोगी शिव सेना और एनसीपी उससे अलग लड़े वहां या तो भाजपा ने उनको हराया या कड़ी टक्कर दी। उद्धव ठाकरे की पार्टी की विफलता भी भाजपा की सहयोगी पार्टियों के लिए एक संदेश है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 09 फरवरी 2026
www.rashtriyagarima.com

भारत में 2026 तक कम निवेश और अधिक लाभ वाले व्यावसायिक विचार

ऑफिस की नीरस दिनचर्या का पालन न करना और सभी निर्णय स्वयं लेना दुनिया की सबसे अच्छी भावनाओं में से एक है। हर कोई धन की कमी के कारण व्यवसाय चलाने के अपने सपने को हकीकत में नहीं बदल पाता है। अब हमारे पास आपके लिए एक समाधान है। 2026 में शुरू करने के लिए सबसे अच्छे कम निवेश वाले व्यवसाय विचार यदि आपके पास किसी क्षेत्र में विशेषज्ञता है, तो उसमें महारत हासिल करें। याद रखें, विशेषज्ञों को अधिक वेतन मिलता है। शुरुआत में भारी रकम निवेश किए बिना अपनी दक्षता को एक लाभदायक व्यवसाय में बदलें।

ड्रॉपशीपिंग

इन दिनों सबसे अच्छे लघु लाभदायक व्यवसायिक विचारों में से एक है। यह एक खुदरा पूर्ति विधि है जहां आप बिना कोई इन्वेंट्री संग्रहीत किए एक ऑनलाइन स्टोर खोल सकते हैं। इस प्रकार, आपको इन्वेंट्री में एक पैसा भी निवेश करने की आवश्यकता नहीं है और आप सीमित धन के साथ व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। जब भी स्टोर कोई बिक्री करता है, तो उत्पाद किसी तीसरे पक्ष से खरीदा जाता है और सीधे ग्राहक को भेजा जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो, आप बिक्री करते हैं, आपूर्तिकर्ता को ऑर्डर देते हैं, और वह आपकी ओर से ग्राहक को इसे भेजता है। इस प्रकार, आपको इन्वेंट्री को स्टोर या हैंडल करने की ज़रूरत नहीं होती है। यह आपके समय और पैसे दोनों की बचत करता है। उत्पादों को एक से अधिक आपूर्तिकर्ताओं से क्यूरेट किया जा सकता है। हालाँकि, यह सुझाव दिया जाता है कि आप पहले आपूर्तिकर्ताओं से एक नमूना उत्पाद ऑर्डर करें ताकि उनकी विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके और उत्पादों की गुणवत्ता ऑनलाइन स्टोर के अनुकूल हो। ड्रॉपशीपिंग मॉडल के साथ, आपको इन्वेंट्री खरीदने या संग्रहीत करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता नहीं है। आप अपना पूरा ध्यान ऑनलाइन स्टोर की मार्केटिंग और ग्राहक सेवा पर केंद्रित कर सकते हैं। विशेष रूप से, आपके स्टोर की विश्वसनीयता आपके द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्ता और पर निर्भर करेगी आदेश पूरा आपके द्वारा अपनाई गई रणनीति. इसलिए, यह भारत में शीर्ष छोटे निवेश व्यवसायों में से एक है। व्यावसायिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए आपको दोनों पर नज़र रखनी चाहिए।

संदेशवाहक कम्पनी

भारत के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक होने के नाते, कूरियर उद्योग में व्यवसाय शुरू करना उच्च लाभ के साथ एक और कम लागत वाला व्यवसायिक विचार है। ईकॉमर्स उद्योग में हाल ही में हुए बदलाव ने कूरियर सेवा व्यवसाय को तत्काल डिलीवरी के साथ अविश्वसनीय दर से बढ़ने में मदद की है। व्यवसाय को शुरू से शुरू करने के बजाय, जो महंगा हो सकता है, किसी अच्छी तरह से स्थापित कूरियर कंपनी से फ्रैंचाइज़ी लेने पर विचार करें। कई प्रतिष्ठित कूरियर कंपनियाँ मामूली कीमत पर अपनी फ्रैंचाइज़ी दे रही हैं। इसके अलावा, आपको उनकी प्रौद्योगिकी-संबंधित अवसंरचना और प्रशिक्षण और विकास तक भी पहुँच मिलती है।

ऑनलाइन बेकरी

ऑनलाइन फूड बिज़नेस भारत में सबसे लोकप्रिय छोटे मुनाफ़े वाले बिज़नेस में से एक है। और बेकरी भी काफ़ी लोकप्रिय हैं। अगर आपको बेकिंग का शौक है, तो आप बेकरी शुरू करने पर विचार कर सकते हैं और घर पर बनी रेसिपी शेयर करके पैसे कमा सकते हैं। कम निवेश वाले इस बिज़नेस आइडिया की सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे अपनी रसोई से ही शुरू कर सकते हैं। आपको बस एक ओवन और ज़रूरी सामग्री की ज़रूरत है। केक सभी समारोहों का एक अभिन्न अंग हैं। लेकिन, आप अन्य बेक्ड आइटम भी बेचने पर विचार कर सकते हैं, जैसे कि विभिन्न प्रकार की ब्रेड, मफ़िन, कुकीज़, पिज़्ज़ा, आदि। यह न केवल एक अनोखा बिज़नेस आइडिया है, बल्कि एक मुनाफ़े वाला भी है! जहां ओवनफ्रेश जैसी कंपनियां आज जहां हैं वहां तक पहुंचने के लिए कई वर्षों की कड़ी मेहनत की है, कई व्यवसाय मालिक अपने व्यवसायों को ऑनलाइन लेकर कुछ ही महीनों में संख्या बढ़ाने में सक्षम हैं। अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए बस विभिन्न ऑनलाइन खाद्य वितरण प्लेटफार्मों पर बेकरी को पंजीकृत करें।

ऑनलाइन फैशन बुटीक

लोगों के फैशन के प्रति अधिक जागरूक होने के साथ, भारत में फैशन और जीवनशैली उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। भारत का ऑनलाइन फैशन व्यापार बढ़ने की उम्मीद है इसलिए, ऑनलाइन फैशन बुटीक कम निवेश में एक ऐसा व्यवसाय है जिस पर आप विचार कर सकते हैं। ऑनलाइन अपनी स्टाइल को बेचकर पैसा कमाने के लिए जरूरी नहीं कि आप फैशन डिजाइनर ही हों, बल्कि आपको फैशन के प्रति उत्साही होना चाहिए! कम निवेश वाले अच्छे व्यवसायिक विचारों में से एक, ऑनलाइन फैशन बुटीक खोलना बहुत आसान है और इसे घर पर भी शुरू किया जा सकता है। आप अलग-अलग विक्रेताओं से आइटम अपने ऑनलाइन स्टोर में क्यूरेट कर सकते हैं (ड्रॉपशिपिंग मॉडल का उपयोग करके), या इन-हाउस डिज़ाइन और उत्पादन कर सकते हैं। एक आला चुनें और एक ब्रांड बनाएँ। जैसे-जैसे ग्राहकों की तीव्र डिलीवरी की अपेक्षाएं बढ़ती जा रही हैं, हाइपरलोकल डिलीवरी का भविष्य फैशन उद्योग में सफलता उन ब्रांडों पर निर्भर करेगी जो बुटीक आइटम के लिए उसी दिन या अगले दिन डिलीवरी की पेशकश कर सकते हैं। त्वरित वितरण सेवाएं ऑनलाइन फैशन बुटीकों को विश्वास बनाने और वफादार ग्राहकों को बनाए रखने में मदद कर सकता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि वे इस तेजी से बढ़ते बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहें। सेवा-आधारित व्यवसाय में, आपका समय आपकी सबसे मूल्यवान वस्तु है। यह आपका सबसे महत्वपूर्ण निवेश भी है। इस व्यवसायिक विचार को शुरू करने के लिए, आपके पास एक ऐसा कौशल होना चाहिए जिसकी मांग हो, जो आपके ग्राहकों के जीवन में मूल्य जोड़े। लेखन, ब्लॉगिंग, वेब डिजाइनिंग, फोटोग्राफी, फिटनेस प्रशिक्षण और सुलेख कुछ विशिष्ट कौशल हैं जिनके आधार पर आप व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। जिन लोगों को आपके कौशल की आवश्यकता है, उनके द्वारा खोजे जाने की संभावना बढ़ाने के लिए आप विभिन्न फ्रीलांस मार्केटप्लेस के साथ खुद को पंजीकृत कर सकते हैं। इसके अलावा, आपके सोशल मीडिया हैंडल आपको मार्केटिंग और प्रचार-प्रसार में सबसे अच्छी मदद कर सकते हैं। यह वास्तव में शुरू करने के लिए सबसे अच्छा व्यवसाय है।

डिजिटल आस्तियां

आप सोच सकते हैं डिजिटल उत्पादों की बिक्री. वे सर्वोत्तम कम निवेश वाले व्यावसायिक विचार हैं क्योंकि आपको केवल एक बार डिजिटल संपत्ति बनाने की आवश्यकता है और फिर आप इसे दोहरा सकते हैं और इसकी प्रतियां बेच सकते हैं। संक्षेप में, उत्पाद उत्पादन की लागत शून्य है। इसके अलावा, आप डिजिटल उत्पाद बनाने के लिए कंप्यूटर और ऑनलाइन टूल का उपयोग कर सकते हैं।

पुस्तकालय सेवाएँ उधार देना

क्या आप एक ऐसे उत्साही पाठक हैं, जिन्होंने बहुत सी किताबें इकट्ठी कर रखी हैं, लेकिन यह सोचकर संघर्ष कर रहे हैं कि उन सभी का क्या करें? चिंता न करें, इसका एक सरल उपाय है, जिसमें आपको अपनी प्रिय पुस्तकों को बेचने की ज़रूरत नहीं है। एक ऑनलाइन स्टोर शुरू करने पर विचार करें जहां आप उन्हें अन्य पुस्तक प्रेमियों को उधार दे सकें। अपनी संपत्ति का मुद्रीकरण करके, आप अपने संग्रह का आनंद लेना जारी रख सकते हैं और साथ ही इससे लाभ भी कमा सकते हैं। वार्षिक सदस्यता शुल्क के साथ सदस्यता पुस्तकालय शुरू करना पुस्तक पाठकों को किताबें खरीदने के वित्तीय बोझ के बिना पढ़ने का आनंद देने का एक शानदार तरीका है। पुस्तकों के प्रति अपने प्रेम को साझा करके और एक ऑनलाइन उधार पुस्तकालय शुरू करके, आप कुछ अतिरिक्त आय अर्जित करने के साथ-साथ साझा करने की संस्कृति में भी योगदान देंगे। कोई अपने सदस्यों के लिए प्रयुक्त पुस्तकें खरीदने के लिए पुस्तक विनिमय विकल्प भी शुरू कर सकता है।

एक ऐप बनाएं

ऐप्स अधिकतर स्मार्टफ़ोन पर उपयोग करने के लिए लिखे गए सॉफ़्टवेयर होते हैं। ऐसे डेवलपर्स के लिए एक आकर्षक बाज़ार है जो ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्यात्मक और गुणवत्तापूर्ण ऐप्स बना सकते हैं। ऐप डेवलपर कहीं से भी काम कर सकते हैं, बशर्ते उनके पास अच्छा इंटरनेट कनेक्शन और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट किट (एसडीके) हो। ऐप की जटिलता और उपयोग के आधार पर किसी ऐप को विकसित करने में शून्य से लेकर भारी धनराशि तक खर्च हो सकता है। यह एक साधारण गेम, टू-डू सूची ऐप या व्हाट्सएप या इंस्टाग्राम जैसा कुछ जटिल हो सकता है। ऐसे नि:शुल्क ऐप विकास उपकरण उपलब्ध हैं जो प्रोग्रामिंग भाषाओं के ज्ञान की आवश्यकता के बिना एक सरल ऐप बनाने में आपकी सहायता कर सकते हैं।

डिजिटल विपणन

इंटरनेट के सूचना का स्रोत और संचार का एक आकर्षक माध्यम बनने के साथ, ठोस ग्राहक संबंध बनाने और व्यवसाय से जुड़ी सेवाओं या उत्पादों को बढ़ावा देने की काफी संभावनाएं हैं। डिजिटल मार्केटिंग व्यवसायों के लिए एक आवश्यकता बन गई है, जो उन्हें अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचने, ग्राहकों को प्राप्त करने और बनाए रखने, जुड़ाव बढ़ाने और बिक्री बढ़ाने की अनुमति देती है। हालाँकि, यह एक तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र है जिसमें निरंतर कौशल उन्नयन की आवश्यकता होती है। यदि आपके पास मार्केटिंग का अनुभव है, तो यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर आप गौर कर सकते हैं।

एफिलिएट मार्केटिंग

सहबद्ध विपणन यह एक विपणन मॉडल है जिसमें आपकी साइट या सोशल मीडिया खाते पर व्यवसायों के उत्पादों को बढ़ावा देना शामिल है, और बदले में, बिक्री या कमीशन का एक प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होता है। एफिलिएट मार्केटिंग शुरू करने के लिए बहुत कम निवेश की आवश्यकता होती है और अगर आपके पास उच्च ट्रैफ़िक वाली वेबसाइट है तो यह एक अच्छा व्यवसायिक विचार है। अगर आपके पास वेबसाइट या ब्लॉग नहीं है, तो आप एफिलिएट मार्केटिंग शुरू कर सकते हैं अमेज़ॅन द्वारा प्रस्तावित सहबद्ध विपणन कार्यक्रम.

ऑनलाइन ट्यूशन/कोचिंग क्लास

यदि आप पढ़ाने में रुचि रखते हैं, तो ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करना आय का एक बड़ा स्रोत होगा। आपकी विशेषज्ञता के आधार पर कक्षाएं विज्ञान, गणित, बोली जाने वाली अंग्रेजी, निबंध लेखन और कई अन्य विषयों के लिए हो सकती हैं। ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती मांग ने ऑनलाइन कोचिंग सेवाओं का दायरा बढ़ा दिया है। यह एक कम लागत वाला व्यावसायिक विचार है, जिसमें एकमात्र निवेश एक अच्छा लैपटॉप या मजबूत इंटरनेट कनेक्शन वाला पर्सनल कंप्यूटर और आपकी विषय विशेषज्ञता है। ज़ूम या स्काइप जैसे विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म छात्रों को दूर से ऑनलाइन कोचिंग प्रदान करना आसान बनाते हैं।

भर्ती सेवाएँ

किसी भी संगठन में योग्य कर्मचारियों की आवश्यकता हमेशा रहती है। मानव संसाधन (एचआर) विभाग संगठन के लिए सही उम्मीदवारों की भर्ती सुनिश्चित करता है। भर्ती सेवाएँ सबसे ज़्यादा भुगतान करने वाले व्यवसायों में से एक हैं। इनमें स्पष्ट नौकरी विवरण बनाना, रिज्यूमे या आवेदनों की समीक्षा करना, पिछले उम्मीदवारों पर विचार करना, कर्मचारी रेफरल कार्यक्रम लागू करना और नौकरी की नियुक्तियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करना शामिल है। यह सब आपके घर बैठे आराम से संभव है और साथ ही संगठन से बढ़िया कमीशन भी कमाया जा सकता है। एक अच्छे भर्ती सेवा प्रदाता के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाने के लिए, प्रतिष्ठित संगठनों के साथ गठजोड़ करना सबसे अच्छा होगा।

ब्लॉगिंग/वीलॉगिंग

ब्लॉगिंग और व्लॉगिंग (वीडियो ब्लॉगिंग) पैसे कमाने के बेहतरीन समाधान बन सकते हैं। प्रदर्शन कलाकारों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और ऑनलाइन दुनिया में अधिक फॉलोअर्स और पहचान हासिल करने के लिए यह एक दिलचस्प व्यवसायिक विचार है। कुछ व्लॉग प्लेटफ़ॉर्म आपके वीडियो के माध्यम से उत्पन्न दृश्यों की संख्या के आधार पर आपको भुगतान करते हैं, जबकि अन्य गूगल ऐडसेंस के माध्यम से उत्पन्न विज्ञापन राजस्व के माध्यम से कमाते हैं। ब्लॉगर्स और व्लॉगर्स के लिए, शुरुआती निवेश आमतौर पर सिर्फ़ एक कंप्यूटर और अपनी सामग्री होस्ट करने के लिए एक वेबसाइट होता है। आप एक मुफ़्त डोमेन नाम जनरेटर टूल का इस्तेमाल करके अपने विषय से मेल खाने वाला डोमेन ढूंढ सकते हैं और तुरंत शुरुआत कर सकते हैं। व्लॉग शूट करने के लिए कैमरों और एडिटिंग टूल्स में भारी निवेश ज़रूरी नहीं है—स्मार्टफ़ोन से अच्छी शूटिंग स्किल्स और बुनियादी एडिटिंग का ज्ञान काफ़ी मददगार साबित हो सकता है।

एक व्यक्तिगत या आभासी सहायक

अच्छे सांगठनिक कौशल वाले लोगों की काफी मांग है। ऐसे कई कार्य हैं जिन्हें एक निजी या आभासी सहायक ऑनसाइट हुए बिना संभाल सकता है। यह घर से किए गए विभिन्न ग्राहकों के लिए बुनियादी सचिवीय कार्य या फ्रंट-डेस्क कार्य हो सकता है। कार्य कैलेंडर का ट्रैक रखना, उड़ान की व्यवस्था करना और कार्यालय का काम करना जैसे हो सकते हैं।

कार्य/द्वारपाल सेवा

हालाँकि कोई भी लगभग सभी सेवाओं या उत्पादों को ऑनलाइन ऑर्डर कर सकता है, लेकिन पुराने और गैर-तकनीक-प्रेमी लोगों के लिए ऐसा करना आसान नहीं है। किराने की खरीदारी और छोटे-मोटे काम जैसे काम बुजुर्गों के लिए समय लेने वाले और थका देने वाले होते हैं। एरंड/कंसीयर्ज सेवाएँ जो विशेष रूप से पुरानी पीढ़ी को प्रति घंटे की दर से या कार्य के आधार पर प्रदान की जाती हैं, उन्हें काफी हद तक मदद करेंगी। यह राजस्व पैदा करने वाला और मानसिक रूप से फायदेमंद काम है। आप व्यस्त कार्यक्रम वाले कामकाजी पेशेवरों को भी ये सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं।

आभासी बहीखाता और लेखा

बहीखाता पद्धति व्यवसायों को कराधान और वित्तीय प्रबंधन के लिए उचित रिकॉर्ड रखने में मदद करती है। वर्चुअल बहीखाता पद्धति किसी ग्राहक के लिए दूरस्थ रूप से लेखांकन सेवाएँ प्रदान करने की सुविधा प्रदान करती है। इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है क्योंकि यह एक ऐसी व्यवस्था है जो लागत और लचीलेपन के मामले में व्यवसाय और मुनीम दोनों को लाभ पहुंचाती है। इसमें काम करने के लिए केवल संगठन के सुरक्षित नेटवर्क और अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर तक पहुंच की आवश्यकता होती है। कोई व्यक्ति कई ग्राहकों के साथ भी काम कर सकता है, इस प्रकार आय का एक अतिरिक्त स्रोत उत्पन्न हो सकता है।

सोशल मीडिया एजेंसी

डिजिटल युग और गला काट प्रतियोगिता में, लगभग सभी कंपनियां अपने उत्पादों को डिजिटल रूप से बाजार में लाना चाहती हैं। वे विभिन्न डिजिटल चैनलों और सोशल मीडिया पोस्ट और अभियानों के माध्यम से विज्ञापन पर बड़े बजट खर्च करने को तैयार हैं। अगर आपको मार्केटिंग, ब्रांडिंग, संचार, सोशल मीडिया और वेब प्रेजेंस मैनेजमेंट की अच्छी समझ है तो सोशल मीडिया एजेंसी चलाना एक बेहतरीन लघु व्यवसायिक विचार हो सकता है। आप अन्य कंपनियों को एक मजबूत डिजिटल उपस्थिति स्थापित करने में मदद करने के लिए अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। आप सभी की आवश्यकता है कि कुछ कंप्यूटर, कुशल पेशेवरों, और एक कार्यालय के साथ शुरू करने के लिए है।

मुद्रित उत्पाद

हालाँकि यह केवल ड्रॉपशिपिंग मॉडल है, लेकिन प्रिंटेड उत्पादों का मुख्य फोकस कस्टमाइज्ड उत्पाद पेश करना है। यदि आप ग्राफ़िक्स और सौंदर्यशास्त्र के प्रति आकर्षित हैं तो यह आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। आप या तो अपने खुद के डिज़ाइन का उपयोग कर सकते हैं या अपने ग्राहकों को उनके डिज़ाइन बनाने का अवसर दे सकते हैं। आप अलग-अलग ऑफ़र दे सकते हैं मांग पर प्रिंट करें टी-शर्ट, फोन केस, हुडी, टोपी और भी बहुत कुछ जैसे उत्पाद।

दस्तकारी उत्पाद

इंटरनेट और प्रौद्योगिकी के आगमन ने कलाकारों से पेशेवरों तक जाकर कारीगरों के लिए अपने क्षितिज को व्यापक बनाने के द्वार खोल दिए हैं। खुदरा स्टोर के विपरीत, जो अपने उत्पादों को कई स्रोतों से प्राप्त करते हैं, दस्तकारी व्यवसाय घर में उत्पादों का उत्पादन करते हैं। उनका प्राथमिक ध्यान उपभोक्ताओं को एक व्यक्तिगत स्पर्श प्रदान करने पर है जो कोई अन्य व्यवसाय नहीं कर सकता है। चाहे आप मोमबत्तियाँ, साबुन, मिट्टी के बर्तन और यहाँ तक कि सॉस भी बनाते हों, आप एक अनोखा व्यवसाय शुरू करने की स्थिति में हैं। उत्पाद विकास और खरीद वस्तुत: आपके हाथ में है। उदाहरण के लिए, मोमबत्तियों का इस्तेमाल अब सिर्फ़ बिजली कटने के दौरान ही नहीं किया जाता। अब, वे घर की सजावट की वस्तु बन गई हैं और विभिन्न अवसरों पर उपहार के रूप में भी व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाती हैं। उपभोक्ता विभिन्न सुगंधों वाली मोमबत्तियाँ खरीदना चाहते हैं। वे अद्वितीय और अनुकूलित उत्पाद खरीदना पसंद करते हैं। अन्य वस्तुओं के साथ भी ऐसा ही है। आप या तो एक छोटे बैच से या प्री-ऑर्डर के आधार पर शुरुआत कर सकते हैं जब तक कि आप लगातार बिक्री उत्पन्न न कर लें।

स्व-सुधार कोचिंग

स्व-सुधार पाठ्यक्रम इन दिनों बहुत मांग में हैं। लोगों के पास कौशल और महत्वाकांक्षाएं हैं, लेकिन उन्हें मार्गदर्शन और दिशा की आवश्यकता है कि वे अपने जीवन में ऊंचाइयों को कैसे प्राप्त कर सकते हैं। स्व-सुधार कोचिंग एक सेवा-आधारित मॉडल है। आप अपने ग्राहकों को सिखा सकते हैं कि वे अपने इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए खुद को कैसे तैयार कर सकते हैं। आप विशिष्ट-विशिष्ट पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र भी प्रदान कर सकते हैं। भारत में लघु व्यवसाय शुरू करें (चरण-दर-चरण) यहां कुछ चरण दिए गए हैं जिनका आपको पहियों को गति में लाने से पहले पालन करना होगा।

1) एक मजबूत बिजनेस प्लान बनाएं एक छोटा व्यवसाय शुरू करने में पहला कदम अपने संभावित बाजार को समझने के बाद एक व्यवसाय योजना बनाना है। याद रखें, एक अच्छी तरह से संरचित व्यवसाय योजना आपके लक्षित दर्शकों की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप होनी चाहिए। आरंभ करने से पहले सुनिश्चित करें कि आप उनके दर्द बिंदुओं को समझें। इससे आपको धन प्राप्त करने और विश्वसनीय और अनुभवी पेशेवरों के साथ एक सफल साझेदारी बनाने में मदद मिलेगी।
2) अनुसंधान का संचालन करें अब, अपने मौजूदा बिजनेस प्लान की तुलना अपने ग्राहकों की जरूरतों और प्राथमिकताओं से करें। इससे आपको यह निर्धारित करने में मदद मिलेगी कि क्या आपका वर्तमान व्यावसायिक विचार आपके संभावित ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करता है और क्या वे आपके उत्पाद या सेवाओं के लिए भुगतान करने को तैयार हैं।
3) अपने बिजनेस आइडिया को मान्य करें उन विशिष्ट बाजारों को ढूंढने के बाद अपनी नई व्यवसाय योजना को मान्य करें जिनके बारे में आप नहीं जानते होंगे और ऐसे लक्ष्य निर्धारित करें जो आपके व्यवसाय को ऊपर उठा सकें। इस चरण में आपके दर्शकों को संलग्न करने के लिए बाद के चरण भी शामिल हैं।
4) एक व्यवसाय योजना लिखें अब, अपने अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों की रूपरेखा तैयार करते हुए एक अंतिम मसौदा तैयार करें। इस मसौदे में एक कथन या उद्देश्य, आपका मिशन और विज़न शामिल होना चाहिए, उत्पाद विवरण अपनी ताकत और कमजोरियों का निर्धारण करने के लिए, बाजार विश्लेषण और प्रतिस्पर्धी विश्लेषण का उपयोग करें। अपना नया उद्यम शुरू करने की तैयारी से पहले यह सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह आपको रणनीतिक और कुशल निर्णय लेने, अपने विचारों को हितधारकों तक पहुंचाने, आपके व्यवसाय के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी व्यवस्थित करने और आपकी कंपनी के लिए सही टीम बनाने में मदद करेगा।
5) उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करें अब समय आ गया है कि आप अपने व्यवसाय को अपने राज्य में पंजीकृत करके, सही लाइसेंस और परमिट चुनकर अगले स्तर पर ले जाएं। जीएसटी नंबर प्राप्त करना. इन चरणों का पालन करके, याद रखने में आसान और अद्वितीय ब्रांड नाम बनाएं।
6) अपने वित्त को जानें अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए, आपको वित्तपोषण की आवश्यकता होगी। इसके लिए, आप एक छोटा व्यवसाय ऋण प्राप्त कर सकते हैं, अपने रिश्तेदारों या दोस्तों से अपने व्यवसाय के लिए धन मांग सकते हैं, स्थानीय या सामुदायिक खोज को अनुदान दे सकते हैं, या एंजेल निवेशकों को प्रोत्साहित कर सकते हैं या बड़े अमीरात अपनी कंपनी का समर्थन करने के लिए.
7) अपने व्यवसाय को सुरक्षित रखें सही व्यवसाय बीमा कवरेज के साथ आपके व्यवसाय की सुरक्षा करना आवश्यक है। इसमें सामान्य देयता बीमा, व्यावसायिक आय बीमा, डेटा उल्लंघन कवरेज, पेशेवर देयता कवरेज और वाणिज्यिक संपत्ति बीमा शामिल हैं।

लाभदायक व्यावसायिक विचारों के साथ कैसे आएं?

विभिन्न तरीके आपको आकर्षक व्यावसायिक विचार खोजने में मदद कर सकते हैं। कुछ सबसे प्रभावी तरीकों में शामिल हैं-

1) दोस्तों और परिवार से पूछें एक उद्यमी के रूप में, नए व्यावसायिक विचारों के साथ आने में पहला कदम परिवार और दोस्तों के अपने नेटवर्क का पता लगाना है। आप किस प्रकार का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, इस पर उनसे सुझाव मांगना अमूल्य होगा।
2) नेटवर्किंग पेशेवरों और युवा उद्यमियों के साथ अपना नेटवर्क बढ़ाने से आप विभिन्न दृष्टिकोणों और उद्योगों से परिचित होंगे, जो आपको एक अद्वितीय व्यावसायिक विचार विकसित करने में मदद कर सकते हैं।
3) व्यापारिक विचारों पर विचार-मंथन करना कई लोगों की तरह, अगर आप इतने सारे व्यावसायिक विचारों को सुनने में फंस गए हैं और यह नहीं जानते कि कौन सा चुनना है, तो एक ब्रेनस्टॉर्मिंग बोर्ड रखें। यह वह जगह होगी जहाँ आप अपने विचारों को लिखेंगे जब भी वे दिमाग में आएंगे।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

बांग्लादेश में जेल में बंद अवामी लीग के नेता की मौत से सरकार-पुलिस पर उठे सवाल

रमेशचंद्र सेन को पिछले साल 16 अगस्त को किया था गिरफ्तार

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में चुनाव सिर पर है और देश में अल्पसंख्यकों पर हमले नहीं रुक रहे हैं। चुनाव से पहले कई पार्टी के नेताओं की हत्या हो चुकी है। हाल ही में बांग्लादेश के पूर्व मंत्री और सीनियर अवामी लीग नेता रमेशचंद्र सेन को लेकर खबर आ रही है कि शनिवार को दिनाजपुर जिला जेल में पुलिस कस्टडी में उनकी मौत हो गई। दावा किया गया कि रमेश चंद्र सेन बीमार थे लेकिन जेलों में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों की मौतों ने सरकार और पुलिस पर सवाल खड़ा कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले काफी समय से बांग्लादेश की जेलों में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों की हिरासत में मौतों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिसके बाद में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत राजनीतिक दमन और टारगेटेड कार्रवाई के आरोप और तेज हो गए हैं। रिपोर्टों के मुताबिक अगस्त 2024 से अब तक अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के कम से कम 30 से 40 वरिष्ठ नेताओं और सक्रिय कार्यकर्ताओं की जेल या पुलिस हिरासत में मौत हो चुकी है। बता दें सेन पहले जल संसाधन मंत्री थे और ठाकुरगांव-1 निर्वाचन क्षेत्र से सांसद थे। उन्हें शनिवार सुबह दिनाजपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बांग्लादेश के अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक वह सुबह बीमार हो गए और उन्हें जिला जेल से अस्पताल ले जाया गया। जेल प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि सेन को पिछले साल 16 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था और बाद में उन्हें दिनाजपुर जिला जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। खबर यह भी है कि उन पर तीन अलग-अलग मामले चल रहे थे, जिसमें एक हत्या से जुड़ा केस भी शामिल था। जेल अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बता दें रमेश चंद्र सेन का जन्म 30 अप्रैल, 1940 को ठाकुरगांव जिले के सदर उपजिला के रुहिया यूनियन के तहत कशलगांव गांव में हुआ था। वह क्षितिंद्र मोहन सेन और बालेश्वरी सेन के बेटे थे। पब्लिक लाइफ और पॉलिटिक्स में आने से पहले उन्होंने रंगपुर कारमाइकल कॉलेज से हायर एजुकेशन पूरी की। अपने राजनीतिक सफर के दौरान सेन पांच बार बांग्लादेश पार्लियामेंट के लिए चुने गए। हाल ही में, उन्होंने बांग्लादेश अवामी लीग से नॉमिनेशन मिलने के बाद 2024 में संसदीय सीट हासिल की। 2024 में बड़े पैमाने पर छात्रों और जनता की बगावत के बीच अवामी लीग सरकार गिरने के बाद उनका संसदीय कार्यकाल खत्म हो गया था।

कीव में रुसी ड्रोन हमलों के कारण इमारतें अंधेरे में डूब गयी।

इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17-17 साल की लंबी सजा

तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने सुनाया फैसला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीति से बड़ी खबर आ रही है जहाँ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की परेशानी बढ़ गई हैं। तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने दोनों को 17-17 साल की लंबी सजा सुनाई है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में बनी स्पेशल कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। जज ने दोनों को अलग-अलग धाराओं में कुल 17 साल की सजा दी है। साथ ही, उन पर 1 करोड़ 64 लाख पाकिस्तानी रुपये का भारी जुर्माना लगा दिया है। हालांकि, बुशरा बीबी के महिला होने के नाते सजा में थोड़ी नरमी की बात कही जा रही है, लेकिन सजा फिर भी काफी सख्त है। दरअसल पूरा मामला 2021 का है, जब सऊदी अरब की सरकार ने इमरान को कुछ महंगे तोहफे दिए थे। इसमें कीमती घड़ियाँ, हीरे और सोने के गहने शामिल थे। नियम कहता है कि सरकारी पद पर रहते हुए विदेशी नेताओं से जो भी गिफ्ट मिलते हैं, उन्हें तोशाखाना (सरकारी खजाने) में जमा करना प?ता है। आप चाहें, तब तय कीमत चुकाकर उन्हें बाद में खरीद भी सकते हैं। अब मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी पर आरोप यह है कि इन तोहफों की असली कीमत करीब 7 करो? रुपये थी, लेकिन कागजों पर इन्हें सिर्फ 58-59 लाख का दिखाया गया। कहा जा रहा है कि इन दोनों ने मिलकर बहुत कम कीमत पर ये कीमती चीजें हथियाने की कोशिश की। अदालत में 21 गवाहों ने अपनी बात रखी।

फैसले के वक्त इमरान और बुशरा दोनों वहां मौजूद थे। इमरान का साफ कहना है कि ये सब उनके खिलाफ एक राजनीतिक साजिश है और उन्हें फंसाया जा रहा है। इमरान खान अगस्त 2023 से ही सलाखों के पीछे हैं। हालांकि उन्हें कुछ मामलों में पहले जमानत मिल चुकी थी, लेकिन अब इस नए फैसले ने उन्हें फिर से मुश्किल में डाल दिया है।

अमेरिकी कांग्रेस सदस्य गिल ने डलास मॉल की पाकिस्तान से की तुलना, छिड़ी बहस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी से ताल्लुक रखने वाले अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ब्रैंडन गिल ने कहा कि वहां के स्थानीय मॉल में जाने पर ऐसा महसूस होता है जैसे आप पाकिस्तान में हों, डलास में नहीं। इस बयान के बाद बहस छिड़ गई। कई यूजर्स ने उनकी टिप्पणियों को उनकी भारतीय मूल की पत्नी डेनियल डीसूजा गिल से जोड़कर देखा। ब्रैंडन गिल ने इंटरव्यू में डलास की सांस्कृतिक पहचान बदलने पर चिंता जताई। गिल ने दावा किया कि उनका निर्वाचन क्षेत्र डलास मॉल की पाकिस्तान से तुलना की। उन्होंने आरोप लगाया कि उन जमीनों के पास मस्जिदें बनाई जा रही हैं जो दशकों से स्थानीय परिवारों के पास रही हैं। उन्होंने पोस्ट किया कि बड़े पैमाने पर इस्लामी प्रवासन उस अमेरिका को खत्म कर रहा है जिसे वे जानते और प्यार करते हैं। ब्रैंडन गिल की पत्नी डेनियल डीसूजा गिल मशहूर भारतीय-अमेरिकी लेखक और ट्रंप के सहयोगी दिनेश डीसूजा की बेटी हैं। गिल के पाकिस्तान वाले बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कई यूजर्स ने लिखा कि गिल केवल अपनी भारतीय मूल की पत्नी को खुश करने के लिए पाकिस्तान का नाम ले रहे हैं। एक यूजर ने तंज कसते हुए लिखा- गिल साहब नई दिल्ली में रहने के इतने आदी हो गए हैं कि अब पाकिस्तान से नफरत करना उनके स्वभाव में आ गया है।

अमरिका के मशहूर अखबार के सीईओ ने दिया इस्तीफा

वाशिंगटन। अमेरिका के एक मशहूर अखबार के सीईओ और पब्लिशर विल लुईस ने इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला तीन दिन बाद आया जब अखबार ने अपने एक-तिहाई स्टाफ की छंटनी की घोषणा की थी, जिससे न्यूजरूम में व्यापक असंतोष फैल गया था। लुईस ने शनिवार को स्टाफ को भेजे एक ईमेल में अपने इस्तीफे की जानकारी दी। ईमेल में लुईस ने लिखा- अखबार में 2 सालों के परिवर्तन के बाद, अब मेरे लिए अलग होने का सही समय है। मैं जेफ बेजोस का उनके समर्थन और नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त करता हूं, जो मेरे पूरे कार्यकाल में सीईओ और पब्लिशर के रूप में रहा। इस संस्था का इससे बेहतर मालिक नहीं हो सकता।

नहीं मिला गठबंधन को बहुमत, दे दूंगी इस्तीफा, ताकाइची ने कहा

टोक्यो,। जापान में लोअर हाउस के लिए मतदान हो रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बड़ी जीत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, देश के कई हिस्सों में बर्फबारी के कारण मतदान प्रतिशत घटने की आशंका है। ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने अक्टूबर में पद संभाला था। ओपिनियन पोल के अनुसार, उनकी कंजर्वेटिव गठबंधन (लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और जापान इनोवेशन पार्टी) को संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की 465 सीटों में से 300 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। फिलहाल गठबंधन के पास 233 सीटें हैं, और अगर यह 310 सीटें जीत लेता है, तब ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद कानून पास करने की ताकत मिलेगी। ताकाइची ने कहा है कि अगर गठबंधन बहुमत खो देता है, तब वह इस्तीफा दे देंगी। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ताकाइची को समर्थन जता चुके हैं। दरअसल ताकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाकर सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है। उन्होंने खाद्य पदार्थों पर 8 प्रतिशत सेल्स टैक्स को दो साल के लिए निलंबित करने का वादा किया है, ताकि बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत मिले। रणनीतिक सलाहकार कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर के मुताबिक, 'अगर ताकाइची बड़ी जीत दर्ज करती हैं, तब उन्हें टैक्स में कटौती जैसे अहम फैसलों को लागू करने की आजादी मिलेगी।' दरअसल ट्रम्प ने अपनी पोस्ट में ताकाइची को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने तकाइची को मजबूत, शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता कहा, जो अपने देश से सच्चा प्यार करती हैं और जापान के लोगों को निराश नहीं करेंगी। ट्रम्प ने बताया कि वह 19 मार्च 2026 को व्हाइट हाउस में ताकाइची से मुलाकात करने को बेताब है।

ट्रंप की दो टूक, जून तक समझौता कर लें यूक्रेन और रूस

वाशिंगटन। अमेरिका ने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए जून तक की डेडलाइन दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका दोनों पक्षों पर दबाव डालकर इस समय सीमा तक समझौता करवाना चाहता है। जेलेंस्की के अनुसार, 'अगर समय पर समझौता नहीं हुआ, तब वे दोनों देशों पर और अधिक दबाव डाल सकते है। इसका नतीजा बुरा हो सकता है।' ट्रम्प प्रशासन इस मामले में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जेलेंस्की ने बताया कि अमेरिका ने अगले दौर की त्रिपक्षीय बातचीत को पहली बार अमेरिका में आयोजित करने का सुझाव दिया है। यूक्रेन ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। इससे पहले अबू धाबी में हुई त्रिपक्षीय बैठक में कोई बड़ा समझौता नहीं हो सका था। दोनों पक्ष अपनी-अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। रूस लगातार मांग कर रहा है कि यूक्रेन डोनबास क्षेत्र से अपनी सेना हटा ले, जबकि यूक्रेन इस शर्त को मानने से मना कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा, 'डोनबास के मुद्दे पर सवाल अब भी जस के तस हैं।' उन्होंने बताया कि सबसे जटिल मुद्दों पर फैसला केवल राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में हो सकता है।

अमेरिका से नहीं डरा ईरान कहा- हम किसी भी देश के दबाव में आने वाले नहीं

तेहरान। ओमान में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधियों के बीच हुई हालिया बातचीत ने वैश्विक कूटनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है। हालांकि इस मुलाकात को एक अच्छी शुरुआत माना जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि दोनों देशों के बीच मतभेदों की खाई कम होने के बजाय और गहरी होती दिख रही है। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। तेहरान ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह केवल परमाणु मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और मिसाइल कार्यक्रम या क्षेत्रीय गुटों के समर्थन जैसे विषयों को बातचीत की मेज से पूरी तरह बाहर रखता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कड़े लहजे में कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान का अविभाज्य अधिकार है और यह प्रक्रिया किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगी। उन्होंने अमेरिका को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ईरानी धरती पर किसी भी तरह का हमला हुआ, तो मध्य पूर्व में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकाने ईरान की मिसाइलों के निशाने पर होंगे। अराघची ने ओमान वार्ता को सकारात्मक बताते हुए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से शिष्टाचार भेंट की बात तो स्वीकार की, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि भरोसे की बहाली के लिए अभी एक बहुत लंबा रास्ता तय करना बाकी है। ईरान का मानना है कि समाधान केवल सम्मानजनक बातचीत से ही निकल सकता है, प्रतिबंधों या धमकियों से नहीं। दूसरी ओर, अमेरिका ने इस मामले में डबल गेम की नीति अपनाई है। एक तरफ जहां बातचीत को सफल बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर ईरान पर आर्थिक शिकंजा और कस दिया है। इस आदेश के तहत ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर भारी टैरिफ और ईरान के तेल निर्यात में शामिल दर्जनों जहाजों व कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। ट्रंप प्रशासन की ताकत के दम पर शांति की नीति के तहत अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने हाल ही में अरब सागर में तैनात विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन का दौरा कर अपनी सैन्य तैयारियों का प्रदर्शन भी किया। इस कूटनीतिक रस्साकशी के बीच इजरायल की चिंताएं चरम पर हैं। इजरायल चाहता है कि अमेरिका केवल परमाणु कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल नेटवर्क और हिजबुल्लाह व हमास जैसे गुटों को मिलने वाली मदद पर भी कड़ा रुख अपनाए। ईरान द्वारा इन मुद्दों पर बात करने से इनकार करने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी निर्धारित वाशिंगटन यात्रा को समय से पहले करने का निर्णय लिया है। नेतन्याहू अगले हफ्ते राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे, जहां उनके साथ इजरायली वायु सेना के भावी प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल ओमर टिशलर भी होंगे। यह संकेत देता है कि इजरायल अब ईरान के खिलाफ किसी बड़े सैन्य विकल्प या अत्यंत कठोर प्रतिबंधों के लिए अमेरिका पर दबाव बना सकता है। फिलहाल, तेहरान की सड़कों पर आम लोगों के बीच इस बातचीत को लेकर बहुत अधिक उत्साह नहीं है।

उत्तर कोरिया में देख लिया दक्षिण कोरियाई टीवी शो, फांसी की सजा तय

प्योंगयान। उत्तर कोरिया में लोगों को जानी दुश्मन देश दक्षिण कोरियाई के टीवी शो देखने या के-पॉप सुनने पर फांसी की सजा दी जा रही है और उन्हें लेबर कैंप में भेजा जा रहा है। इसमें स्कूल के बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया से भागकर आए लोगों ने बताया कि क्रैश लैंडिंग ऑन यू, डिसेंडेंट्स ऑफ द सन और स्क्विड गेम जैसे लोकप्रिय दक्षिण कोरियाई ड्रामा देखने या के-पॉप सुनने पर मौत तक की सजा हो सकती है। जिन लोगों के पास पैसा या अच्छे संपर्क नहीं होते, उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान होता है। तानाशाह के देश से भागकर आए लोगों ने बताया कि देश में डर का माहौल है और दक्षिण कोरियाई संस्कृति को बड़ा अपराध माना जाता है। वहीं अमीर लोग कई बार अधिकारियों को रिश्वत देकर सजा से बच जाते हैं। लेकिन गरीबों के पास पैसा नहीं होने के कारण उन्हें सजा भुगतनी पड़ती है। एमनेस्टी इंटरनेशनल की डिप्टी रीजनल डायरेक्टर सारा ब्रूक्स ने कहा कि उ.कोरिया इसतरह कानून लागू कर रहा है जिसमें एक टीवी शो देखना भी आपके लिए जानलेवा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

6 दिन में 76 हमले, सैकड़ों पाक सुरक्षाबलों को मारने का बीएलए ने किया दावा

लाहौर। बलूचिस्तान में जारी संघर्ष के बीच बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ऑपरेशन हेरोफ-2 अभियान के तहत बड़े पैमाने पर हमले करने का दावा किया है। संगठन के मुताबिक 31 जनवरी सुबह 5 बजे से शुरू होकर 6 फरवरी शाम 4 बजे तक चले छह दिन के इस अभियान में उसके लड़ाकों ने 14 शहरों में 76 से ज्यादा हमले किए। बीएलए की तरफ से एक बयान में बताया गया है कि इनमें कई हमले एक साथ और समन्वित तरीके से अंजाम दिए गए। बीएलए ने कहा कि इस अभियान में उसकी प्रमुख इकाइयों- मजीद ब्रिगेड, फतेह स्क्वाड, स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंस स्क्वाड, खुफिया विंग जिरब और मीडिया विंग हक्कल ने हिस्सा लिया। संगठन का दावा है कि इस दौरान उसके 93 लड़ाके मारे गए, जिनमें मजीद ब्रिगेड के 50 फिदायीन शामिल हैं। दूसरी ओर संगठन ने यह भी कहा कि झड़पों, घात लगाकर किए गए हमलों और अन्य कार्रवाइयों में पाकिस्तानी सेना, फ्रंटियर कॉर्प्स, पुलिस और खुफिया एजेंसियों से जुड़े 362 से अधिक कर्मी मारे गए। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि इसी अवधि में सुरक्षा बलों ने 200 से ज्यादा उग्रवादियों को मार गिराया है। बीएलए ने यह भी दावा किया कि उसके लड़ाकों ने 17 सुरक्षाकर्मियों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें से 10 को चेतावनी देकर छोड़ दिया जबकि सात अब भी उनकी हिरासत में हैं। संगठन का कहना है कि इन पर युद्ध अपराधों के आरोपों को लेकर कार्रवाई की जाएगी। इस बीच अभियान के दौरान सैन्य ठिकानों, चेकपोस्ट, पुलिस स्टेशनों और अन्य ढांचों को नुकसान पहुंचाने और हथियार और उपकरण कब्जे में लेने के दावे भी किए गए हैं।

कनाडा में सिख सुरक्षा गार्ड ने महिला को जड़ दिया थप्पड़, वीडियो आया सामने

ओटावा। कनाडा के सस्केचेवान प्रांत के प्रिंस अल्बर्ट शहर में हाल ही में एक विवादित घटना सामने आई, जिसमें एक सिख सुरक्षा गार्ड ने एक महिला को थप्पड़ मार दिया। घटना एक ग्रॉसरी स्टोर में हुई, जहां महिला और सुरक्षा गार्ड के बीच पहले जमकर बहस हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला ने गार्ड की पगड़ी और दाढ़ी पर हाथ डालने की कोशिश की, इसके बाद गार्ड गुस्से में आ गया और महिला को थप्पड़ जड़ दिया। घटना का वीडियो भी सामने आ गया है, इसमें स्पष्ट दिख रहा है कि महिला पहले गार्ड से बहस कर रही थी और उसके बाद तेजी से पगड़ी की ओर हाथ बढ़ाया। इस घटना के तुरंत बाद स्टोर में मौजूद लोग थप्पड़ का विरोध करने लगे, लेकिन दूसरे सिख सुरक्षा गार्ड ने स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने स्टोर से सीसीटीवी फुटेज जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल सुरक्षा गार्ड को सस्पेंड किया गया है। पुलिस यह स्पष्ट करने की कोशिश कर रही है कि यह हमला था या आत्मरक्षा में किया गया था। वहीं स्टोर मालिक और कुछ स्थानीय लोगों ने सिख सुरक्षा गार्ड का समर्थन किया है। सोशल मीडिया पर भी यह वीडियो चर्चा में है, और कुछ लोग इस पूरे घटनाक्रम को सिख धर्म और आत्मरक्षा के सिद्धांतों से जोड़कर देख रहे हैं। वहीं, मानवाधिकार संगठनों ने घटना के बाद सुरक्षा गार्डों की बेहतर ट्रेनिंग की मांग उठाई है। प्रशासन ने सुरक्षा कर्मियों के काम के घंटों और प्रशिक्षण नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि कनाडा में सुरक्षा गार्डों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाता है कि वह किसी भी उकसावे की स्थिति में हाथ न उठाएं। यह मामला इसलिए भी संवेदनशील बन गया है क्योंकि प्रिंस अल्बर्ट में हाल के महीनों में सुरक्षा कर्मियों से जुड़े कई विवाद सामने आए हैं। घटना ने स्थानीय समुदाय और सोशल मीडिया पर गहरी बहस छेड़ दी है, जिसमें यह सवाल उठाया जा रहा है कि आत्मरक्षा और आक्रामक प्रतिक्रिया की सीमाएँ क्या हैं।

ईरान की मिसाइल फतह-1 चंद मिनट में कर देगी इजराइल व अमेरिकी सैन्य ठिकाने तबाह

तेहरान। ईरान-अमेरिका के बीच टेंशन चरम पर पहुंच गई जब न्यूक्लियर बातचीत के खत्म होते ही ट्रंप ने ईरान के तेल पर नए प्रतिबंधों का ऐलान कर दिया। इससे साफ है कि ईरान ने अमेरिका के आगे झुकने से साफ इनकार कर दिया है। ट्रंप के तेवरों के देखते हुए ईरान अपने हथियार लेकर पूरी तैयारी के साथ खड़ा है। इस बीच खामेनेई की एक खतरनाक मिसाइल फतह-1 सुर्खियों में आ गई है, जिसे लेकर ईरान ने दावा किया कि ये 6 मिनट में दुश्मन का काम तमाम कर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइलों की दुनिया में ईरान की 'फतह-1' इस वक्त सबसे बड़ा चर्चा का विषय बनी हुई है। फरवरी 2026 की ताजा रिपोर्टों और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अपनी इस ताकतवर मिसाइल को 'अंडरग्राउंड मिसाइल सिटीज' में तैनात कर दिया है। यह सिर्फ एक हथियार नहीं, बल्कि अमेरिका और इजराइल के लिए सीधा और खतरनाक संदेश है। ईरान का दावा है कि उसकी यह मिसाइल लॉन्च होने के महज 6 से 7 मिनट में इजराइल के किसी भी कोने को तबाह कर सकती है। इजराइल और ईरान के बीच करीब 2000 किमी की दूरी है और ये मिसाइल इतनी दूर तक के टारगेट को नेस्तानाबूत कर सकती है यानी मिडिल ईस्ट में करीब उन सभी जगहों पर पहुंच सकती है, जहां पर अमेरिका ने मिलिट्री बेस बना रखे हैं। ये मिसाइल अक्टूबर 2024 में भी इजराइल पर दागी जा चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस मिसाइल की स्पीड को ईरान ने बड़े-बड़े बैनर के साथ प्रमोट किया था, जिसमें लिखा था 'तेल अवीव के लिए 400 सेकेंड'। ईरान ने खुले तौर पर चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने उस पर हमला किया, तो खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसके निशाने पर होंगे। कतर का अल-उदेद एयर बेस, जो अमेरिका का सबसे बड़ा ठिकाना है, इस मिसाइल की जद में है। 2026 की सामरिक रिपोर्टों के मुताबिक ईरान अब 'डिफेंस' से हटकर 'ऑफेंस' की नीति अपना चुका है, जिसे उसने 'एक्टिव डिटरेंस' का नाम दिया है।

इधर शांति की बातें होतीं रहीं उधर 400 ड्रोन्स और मिसाइलों ने यूक्रेन में मचा दी तबाही

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच गया है। एक तरफ जहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति बहाली के लिए उच्च स्तरीय बैठकें हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन की धरती पर आसमान से तबाही बरस रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि शांति समझौतों पर चल रही चर्चाओं के बीच रूस ने पिछले 24 घंटों में 400 से ज्यादा मौत के दूतों (ड्रोन्स और मिसाइलों) के जरिए उनके देश के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। जेलेंस्की का आरोप है कि रूस भीषण ठंड को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर यूक्रेन को घुटने टेकने पर मजबूर करना चाहता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति के अनुसार, रूस ने अब तक का सबसे ब?ा हवाई हमला करते हुए देश के पावर ग्रिड और बिजली वितरण केंद्रों को छलनी कर दिया है। इस हमले में 400 से अधिक आत्मघाती ड्रोन्स और 40 घातक मिसाइलों का उपयोग किया गया। मास्को के इस हमले ने वोलिन, लविव, रिव्ने और विन्नित्सिया जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। रिव्ने में तो एक रिहायशी इमारत को भी निशाना बनाया गया, जिससे आम नागरिकों में दहशत का माहौल है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर क्षतिग्रस्त बिजली केंद्रों की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि मास्को ने कूटनीति के बजाय विनाश का रास्ता चुना है और अब दुनिया को मास्को से ठंड को हथियार बनाने की ताकत छीननी होगी। इस भीषण तनाव के बीच एक बड़ी कूटनीतिक खबर यह आई है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्ध को समाप्त करने के लिए जून 2026 की समय-सीमा (डेडलाइन) तय कर दी है। ट्रंप प्रशासन का लक्ष्य है कि इससे पहले दोनों पक्षों के बीच एक ठोस समझौता हो जाए। हाल ही में 4 और 5 फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अमेरिका की मध्यस्थता में एक त्रिपक्षीय बैठक हुई थी।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 09 फरवरी 2026
www.rashtriyagarima.com

टी20 विश्वकप : सिफर्ट के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

चेन्नई। टिम सिफर्ट के शानदार अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट ग्रुप-डी पहले ही मैच में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 182 रन बनाये थे। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम को जीत के लिए खास संघर्ष करना पड़ा। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में मुजीब उर रहमान ने फिन ऐलन को 1 और रचिन रविंद्र को खाता खोले बिन ही लगातार गेंदों पर आउट कर टीम को दबाव में ल दिया। इसके सिफर्ट और फिलिप्स के बीच तीसर विकेट के लिए 74 रन की अहम साझेदारी से टीम संभली। इन दोनों ने दबाव में भी आक्रामक रुख अपनाया । फिलिप्स ने 25 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं सिफर्ट ने 39 गेंदों में अर्धशतक लगाया। उन्होंने 42 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह मोहम्मद नबी का शिकार बने। अंत में डैरिल मिचेल ने 14 गेंदों में 25 रन और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 8 गेंद में 17 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम की ओर से बल्लेबाज़ गुलबदिन नायब ने अर्धशतक लगाया। जिससे अफगानिस्तान की टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। इस मेच में कीवी बल्लेबाजों को अपने अनुसार खेलने का अवसर नहीं मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने शुरुआत में ही दो विके खो दिये। सलामी बल्लेबाज़ रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने 27 रन बनाये पर वह इसके बाद लॉकी फर्ग्युसन की धीमी गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसी ओवर में फर्ग्युसन ने इब्राहिम जादरान को अंतिम गेंद पर आउट कर दिया। जादरान ने 10 रन बनाये थे। इसके बाद गुलबदिन नायब ने 63 रन और सेदिकुल्लाह अटल ने 29 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। गुलबदिन ने 29 गेंदों में ही 50 रन बना दिये। अंतिम ओवरों में गुलबदिन ने 17 गेंदों में 33 रन बनाकर स्कोर को 150 के ऊपर पहुंचाया। बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने 14 रन बनाकर फगानिस्तान को 180 रनों के उपर पहुंचाया ।न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट जबकि मैट हेनरी, जेकब डफी और रचिन रविंद्र को एक-एक विकेट मिला।

पीसीबी प्रवक्ता बोले, आईसीसी से बातचीत के लिए हमारे संपर्क करने की खबरें गलत

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उन खबरों को गलत बताया है जिसमें कहा गया है कि उसने 15 फरवरी को भारतीय टीम के खिलाफ मैच के बहिष्कार के मामले को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से संपर्क कर बातचीत के प्रयास किये हैं। पीसीब का कहना है कि वह इस मैच में नहीं खेलने के फैसले पर बना हुआ हे। वहीं इस मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मौन रखा हुआ है और आईसीसी नियमों के अनुसार चल रही है। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा टीम को भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति न देने के बाद, आईसीसी की ओर से पीसीबी और पाकिस्तान सरकार से अपने रुख पर पुनर्विचार करने की कई कोशिशें की गई हैं पर इस मामले में वह अपने अड़ियल रुख पर बना हुआ है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर ने कहा कि बोर्ड ने चर्चा के लिए आईसीसी से किसी भी तरीके से संपर्क नहीं किया है। मीर ने कहा, इस प्रकार के सभी दावे गलत है। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कि मैच छोड़ने के संभावित कानूनी परिणामों की चेतावनी के बाद पीसीबी ने आईसीसी से बातचीत शुरू की थी। मीर ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि मीडिया अपने मन से खबरें चला रहा है। समय के साथ यह साफ हो जाएगा कि वास्तव में किसने संपर्क किया था।

बुमराह और अभिषेक बीमार हुए, सुंदर नाबीमिया के खिलाफ वापसी करेंगे : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी बीमार हो गये हैं। टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले से ही बीमार हैं। ऐसे में अभिषेक के बीमार होने से टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम के लिए हालांकि राहत की बात ये है कि स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर फिट हो गये हैं। बुमराह बीमार होने के कारण पहले टी20 में नहीं उतरे थे। वहीं अभिषेक केवल बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। जिसमें वह असफल रहे और पहली ही गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद वह फील्डिंग के लिए भी नहीं उतरे भारतीय टीम हालांकि कप्तान सूर्यकुमार की अच्छी बल्लेबाजी से जीत हासिल करने में सफल रही। कप्तान सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा, बुमराह को मौसम की वजह से तेज बुखार था जबकि अभिषेक भी बीमार हो गये हैं। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बताया कि अभिषेक का पेट खराब था पर वह 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ अगले मैच में उतर सकते हैं। सिराज ने कहा, सब ठीक है। उसका पेट थोड़ा खराब था, इसलिए वह फील्डिंग करने नहीं आया। वह अगले मैच में वापस आएगा और आक्रामक बल्लेबाजी करेगा। भारतीय टीम अब 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मुकाबले मे उतरेगी। सूर्यकुमार ने बताया कि सुंदर इस मैच में खेलने के लिए फिट हैं।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिले अमेरिकी राजदूत गोर

मुंबई। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि क्रिकेट के विकास को लेकर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह से मुलाकात सफल रही है। गोर ने भारत और अमेरिका के बीच हुए पहले मैच के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में जय शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अमेरिकी राजदूत ने सोशल मीडिया में लिखा, टी20 विश्व कप में मुझे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलकर खुशी हुई है। हमने बातचीत में क्रिकेट के तेजी से विकास पर बात की। गोर ने इस दौरान रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी से भी मुलाकात की। गोर ने अंबानी दंपत्ति के साथ मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया में लिखा, मुकेश और नीता अंबानी से टी20 विश्व कप में भारत और अमेरिका मैच के दौरान मुलाकात कर खुशी हुई। गोर ने सोशल मीडिया में लिखा कि हमें अपनी क्रिकेट टीम पर गर्व है। उसने काफी बेहतरीन खेला। अमेरिका में क्रिकेट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। अमेरिकी टीम ने पहले ही मैच में भारतीय टीम को जबरदस्त टक्कर दी। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार के अलावा कोई अन्य अमेरिकी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाया। भारतीय टीम को जीत के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

नेशनल विंटर चैंपियनशिप के आयोजन स्थल में बदलाव

चमौली। उत्तराखंड के औली में 12 से 16 फरवरी तक प्रस्तावित नेशनल विंटर चैंपियनशिप के आयोजन स्थल में बदलाव किया है। औली के नंदा देवी स्कीइंग स्लोप पर तेजी से बर्फ पिघलने के चलते खेलों के आयोजन को लेकर संशय की स्थिति बनी थी। लगातार बदलती बर्फ की स्थिति को देखकर विंटर गेम संगठन ने वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया। इसके बाद देहरादून में हुई उच्च स्तरीय बैठक में आयोजन स्थल बदलने का फैसला हुआ। अब चैंपियनशिप का आयोजन गौरसो बुग्याल या औली रोपवे के 10 नंबर टावर के समीप करने की तैयारी है। आयोजन स्थल बदलने का निर्णय देहरादून में आयोजित बैठक में होगा। बैठक की अध्यक्षता विंटर गेम संगठन के जॉइंट सेक्रेटरी अजय भट्ट ने की। इसमें आईटीबीपी के अधिकारी, विभिन्न राज्यों से आए कोच और टीम मैनेजर भी मौजूद रहे। सभी पक्षों के साथ चर्चा के बाद सर्वसम्मति से तय हुआ कि औली में बर्फ की स्थिति अनुकूल न रहने पर वैकल्पिक स्थल को अपनाया जाएगा। जॉइंट सेक्रेटरी भट्ट ने बताया कि खिलाड़ियों और संगठन के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श के बाद फैसला हुआ है।

सूर्यकुमार के एक फोन से मुझे टीम में जगह मिलने की बात पता चली : सिराज

मुम्बई । अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले मोहम्मद सिराज बेहद खुश हैं। सिराज को पहले विश्वकप के लिए शामिल नहीं किया गया था पर हर्षित राणा के चोटिल होकर बाहर होने से उन्हें अंतिम समय पर टीम में जगह मिल गयी। सिराज का कहना है कि वह परिवार के साथ समय बिताने की योजना बना रहे थे तभी उनके पास कप्तान सूर्यकुमार यादव का फोन आता जिससे वह उन्हें तत्काल वापस आकर टीम से जुड़ने को कहते हैं। सिराज ने पहले मैच के बाद खुलास किया है कि कप्तान के फोन से उन्हें टीम में जगह मिलने की बात पता चली। सिराज ने इस मैच में 4 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे पहले सिराज ने भारत के लिए आखिरी टी20 2024 में खेला था। सिराज ने मैच के बाद कहा, मेर योजना 15 तारीख को रियल मैड्रिड का मैच देखने की थी। उसके बाद रमजान आने वाला था, इसलिए मैंने उसी हिसाब से योजना बनायी थी पर जो ऊपर वाले ने लिखा है, वही होगा। सिराज ने कहा कि टीम के साथ बैठना एक सपने जैसा लग रहा था क्योंकि उन्हें लगा था कि वह टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगे क्योंकि पिछले एक साल में उन्हें इस प्रारुप में खेलने का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने साथ ही कहा, लेकिन भगवान ने मेरी किस्मत बदल दी। कुछ समय पहले मैं अपने परिवार के साथ समय बिता रहा था। मैच से दो दिन पहले अचानक सूर्या भाई का मेरे पास कॉल आया। उन्होंने कहा, 'तैयार हो जाओ और आ जाओ', और मैंने उनसे कहा 'मजाक मत करो'। उन्होंने कहा कि वह सच कह रहे हैं। यह मेरे लिए हैरान करने वाली खबर थी, भगवान ने यह सब लिखा था, कोई इसे बदल नहीं सकता, इससे बड़ा कुछ नहीं है।

जेद्दा में रियाद गोल्फ क्लब में जीत के बाद उत्साहित रिपर जीसी की एलविस स्माइली।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

इस सप्ताह शेयर बाजार की निगाहें मुद्रास्फीति और तिमाही नतीजों पर रहेगी

नई दिल्ल। विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। 12 फरवरी को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार को महंगाई और आरबीआई की मौद्रिक नीतियों के बारे में संकेत देंगे। इसके एक दिन बाद 13 फरवरी को विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी होंगे, जो विदेशी निवेशकों के रुझान और रुपये की स्थिति पर असर डाल सकते हैं। इस सप्ताह कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और आयशर मोटर्स के परिणाम निवेशकों की रुचि का केंद्र होंगे। बाजार के जानकारों के अनुसार, इन नतीजों से न केवल इन कंपनियों के शेयर बल्कि व्यापक बाजार पर भी असर दिखाई देगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और नैस्डैक कंपोजिट के हालिया प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस (कमोडिटी) बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा। भारत और अमेरिका ने हाल ही में एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क में कमी होगी। यह कदम द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ही बाजार में सकारात्मक संकेत दे सकता है। अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों ने शनिवार को एक साझा बयान जारी किया जिसमें बताया गया है कि किन-किन वस्तुओं पर दोनों देशों में कितना-कितना आयात शुल्क और सीमा शुल्क घटाया जायेगा। इस समझौते से सेक्टर विशेष को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि भारतीय इक्विटी बाजार सुदृढ़ीकरण चरण में प्रवेश कर चुका है। अब निवेशकों का ध्यान पूंजीगत व्यय और वास्तविक खर्च पर केंद्रित है।

अगले हफ्ते स्टॉक स्प्लिट, बोनस और डिविडेंड से बाजार में बढ़ेगी हलचल

नई दिल्ली। आने वाला हफ्ता शेयर बाजार के लिहाज से खास रहने वाला है। बाजार भले ही रोजाना उतार-चढ़ाव से गुजरता हो, लेकिन कुछ हफ्ते ऐसे होते हैं जब एक साथ कई बड़ी वजहें निवेशकों का ध्यान खींचती हैं। इस बार भी ऐसा ही माहौल बनता दिख रहा है। स्टॉक स्प्लिट, बोनस इश्यू और डिविडेंड जैसे कॉरपोरेट एक्शन बाजार में नई हलचल पैदा कर सकते हैं। ऐसे में यह हफ्ता न सिर्फ ट्रेडर्स बल्कि लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले हफ्ते शेयर बाजार में डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड निवेशकों के रडार पर रहेगी। कंपनी ने अपने शेयर के स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी के स्टॉक स्प्लिट की एक्स-डेट 13 फरवरी 2026 तय की गई है, जबकि रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 रखी गई है। इस स्प्लिट के तहत कंपनी अपने शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। माना जा रहा है कि इससे शेयर की लिक्विडिटी बढ़ सकती है। अगले हफ्ते दो कंपनियां अपने शेयरधारकों को बोनस इश्यू देने जा रही हैं। पहली कंपनी एक्सिटा कॉटन लिमिटेड है, जिसने 1:10 के अनुपात में बोनस इश्यू घोषित किया है। इसका एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 13 फरवरी 2026 तय किया गया है। वहीं दूसरी कंपनी डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड है, जो 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। इसका एक्स-डेट 13 फरवरी और रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 है। इसके अलावा अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। इस लिस्ट में फार्मा, ऑटो, इंफ्रा, पीएसयू, एफएमसीजी, लॉजिस्टिक्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं। कुल मिलाकर, आने वाला हफ्ता शेयर बाजार में खबरों और निवेशकों की सक्रियता से भरा रहने वाला है।

तेल-तिलहन बाजार में कारोबारियों की धारणा बिगड़ी, दाम में गिरावट

नई दिल्ली। बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में सामान्य उतार-चढ़ाव देखा गया, लेकिन सप्ताहांत में अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते की खबर और सोयाबीन तेल के शुल्क मुक्त आयात की अफवाह फैलने से कारोबारी धारणा कमजोर हुई। इस वजह से अधिकांश तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। अच्छी गुणवत्ता वाले मूंगफली तेल और साबुत मूंगफली की बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे। सरसों तेल का कारोबार पहले से कमजोर था, नई फसल आने और अफवाहों के चलते दामों पर दबाव बढ़ा। महाराष्ट्र में सोयाबीन का दाम 6,200 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 5,850 रुपये प्रति क्विंटल और मंडियों में हाजिर भाव 5,750-5,800 रुपये प्रति क्विंटल से

गिरकर 5,300-5,400 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। मध्य प्रदेश में दाम एमएसपी से नीचे चले गए। जाड़े की कमजोर मांग और धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन तेल के दाम भी नीचे आए। आगे का रुख मलेशिया एक्सचेंज के खुलने के बाद स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-6,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 550 रुपये की गिरावट के साथ 14,250 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 11,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन 50 रुपये सुधरकर 7,000-7,375 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 40 रुपये के सुधार के साथ 2,725-3,025 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। बीते समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 11,900 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,825 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ ।गिरावट के आम रुख के बीच, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल के दाम भी 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों और तरल माल में तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। गुजरात स्थित अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों के निर्यात में अब तक का सर्वोच्च मासिक रिकॉर्ड दर्ज किया है। बंदरगाह के अदाणी मुंद्रा कंटेनर टर्मिनल (सीटी2) के समर्पित रोल-ऑन/रोल-ऑफ (रो-रो) टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए। यह आंकड़ा मई 2024 में स्थापित पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार, मारुति सुजुकी और टोयोटा जैसे वाहन निर्माताओं ने अफ्रीका, यूरोप, पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी देशों के लिए निर्यात में वृद्धि की। इस दौरान एक ही जहाज पर 5,701 वाहनों को लोड किया गया, जो किसी भी पोत पर अब तक की सबसे बड़ी लोडिंग है। अदाणी मुंद्रा का लिक्विड टर्मिनल जनवरी में 11.20 लाख टन तरल माल संभालने में सफल रहा, जो इसका अब तक का सबसे अधिक मासिक रिकॉर्ड है। यह पिछले उच्च स्तर (दिसंबर 2025) से भी अधिक है। इस तरल माल में ऊर्जा उत्पाद, रसायन और औद्योगिक तरल पदार्थ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह आंकड़ा मुंद्रा की बहु-श्रेणी कार्गो प्रबंधन क्षमता को स्पष्ट करता है। ये उपलब्धियाँ भारत में बड़े, एकीकृत बंदरगाहों की वैश्विक व्यापार और निर्यात प्रवाह में बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। वाहनों और तरल माल दोनों क्षेत्रों में उच्च प्रदर्शन न केवल निर्यातकों के लिए अवसर बढ़ाता है, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को भी मजबूत करता है। अदाणी मुंद्रा पोर्ट के ये रिकॉर्ड यह दिखाते हैं कि देश के बंदरगाह अब उच्च मात्रा में माल को तेजी से संभालने और वैश्विक मांग को पूरा करने में सक्षम हैं।

एफपीआई ने इस सप्ताह किया 8,100 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) फरवरी के पहले सप्ताह में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार छह फरवरी तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी में 8,129 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह निवेश लगातार तीन महीनों की भारी निकासी के बाद आया है। एफपीआई ने नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये निकाले थे। 2025 में कुल मिलाकर 1.66 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी। निकासी के पीछे मुद्रा में उतार-चढ़ाव, वैश्विक व्यापार तनाव, अमेरिकी शुल्क की चिंता और इक्विटी के ऊंचे मूल्यांकन जैसे कारक थे।

शीर्ष आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.55 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी गई जिससे निवेशकों के बीच उत्साह का माहौल बना। इस तेजी के पीछे बड़ी कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन को मुख्य कारण माना जा रहा है। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। लाभ में रहने वाली इन आठ कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 4,55,336.36 करोड़ रुपये बढ़ा।इस सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,41,887.97 करोड़ रुपये बढ़कर 19,63,358.79 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा एलआईसी का मूल्यांकन 64,926.1 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल 52,516.39 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 52,476.97 करोड़ रुपये बढ़कर बंद हुआ। हालांकि, इस तेजी के बावजूद टीसीएस और इंफोसिस के शेयर पीछे रहे। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 88,172.8 करोड़ रुपये घटकर 10,64,242.35 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 63,462.66 करोड़ रुपये घटकर 6,26,067.95 करोड़ रुपये रह गया।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

भारत-यूएस समझौते के बाद रूस से तेल आयात में कटौती की संभावना

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को भारत से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का कार्यकारी आदेश जारी किया। इसके पीछे भारत की रूस से तेल आयात कम करने की प्रतिबद्धता मुख्य कारण मानी जा रही है। इस समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे रूस से कच्चे तेल की खरीद घटाएगा, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ तालमेल बैठ सके। सूत्रों के अनुसार अधिकांश भारतीय तेल शोधनशालाएं जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स रूस से तेल की नई खरीद धीरे-धीरे रोकेंगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले कुछ हफ्तों में अपनी रूस से खरीदी गई खेप पूरी करने के बाद आयात बंद कर सकती है। नायरा एनर्जी की स्थिति अलग है। रोसनेफ्ट में उसकी 49.13 फीसदी हिस्सेदारी और यूरोपीय एवं ब्रिटिश प्रतिबंधों के कारण कंपनी के पास अन्य विकल्प सीमित हैं। इसलिए नायरा रूस से तेल की खरीद जारी रख सकती है और उसे संभावित छूट भी मिल सकती है। दिसंबर 2025 में भारत का रूस से आयात औसतन 12 लाख बैरल प्रतिदिन था, जो जनवरी 2026 में घटकर 11 लाख बैरल हो गया। आने वाले महीनों में यह 10 लाख बैरल से नीचे जाने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ समझौते के बाद यह आयात और घटकर लगभग आधा हो सकता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 90 फीसदी आयात के जरिए पूरा करता है। रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देश विकल्प के रूप में मौजूद हैं, जिससे भविष्य में तेल आपूर्ति स्थिर बनाए रखना संभव होगा।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

किसानों के हित सर्वोपरि, ट्रेड डील से भारतीय कृषि उत्पादों को कोई नुकसान नहीं: शिवराज सिंह

केन्द्रीय कृषि कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मीडिया को किया संबोधित

भोपाल। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह डील पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है,समझौते में झुकने की नहीं। इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे। किसानों के हित सर्वोपरि हैं,उन पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को अपने भोपाल स्थित आवास पर भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संतुलित रणनीति अपनाकर सकारात्मक संवाद

करते हुए यह ट्रेड डील की गई है। डिप्लोमेसी मतलब राष्ट्र प्रथम,डेवलपमेंट यानी विकसित भारत की दिशा में भारतीय कदम बढ़ाने लिए ट्रेड डील बड़ा आधार है। भारतीय कृषि और किसान की सारी चिंताओं का समाधान इस ट्रेड डील में किया गया है। यह डील हमारे कृषि उत्पादों को नए अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि और किसान को सर्वोपरि रखा गया है। यूपीए की सरकार में भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी और अब हम तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर तेजी से अग्रसर हैं। हमारे वो सारे कृषि उत्पाद,जो हमारे किसानों की मूल ताकत है, उन सबको इस समझौते से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील अपने आप में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयाँ और गति देने वाली है। यह समझौता केवल व्यापारिक समझौता नहीं है,बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेड डील डिप्लोमेसी,डेवलपमेंट और डिग्निटी का एक उत्तम उदाहरण है। यह ट्रेड डील हमारे किसानों को न केवल पूरी तरह से सुरक्षित रखती है,बल्कि हमारे कृषि उत्पादों को नए अवसर प्रदान करती है। श्री चौहान ने कहा कि अगर कृषि और कृषि उत्पादों को देखें,तो भारतीय किसानों को नुकसान हो, ऐसा कोई भी उत्पाद सम्मिलित नहीं किया गया है। सभी ऐसी वस्तुओं को समझौते के बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूँ, चीनी,मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केला, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल,हरी मटर, काबुली चना,मूंग, तिलहन, इथेनॉल, तंबाकू जैसे उत्पादों पर कोई टैरिफ में छूट नहीं दी गई है। सबसे ज्यादा चिंता इसी बात की थी कि हमारे प्रमुख अनाज सुरक्षित रहने चाहिए,वो सब के सब सुरक्षित रखे गए हैं। प्रमुख अनाज, प्रमुख फल, हमारे डेयरी उत्पाद उनके लिए कोई द्वार अमेरिका के लिए नहीं खोला गया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय किसानों के कई कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, लेकिन अमेरिकी किसानों के कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में यह छूट नहीं दी गई है। भारत के कृषि और डेयरी के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं। कृषि क्षेत्र में कई उत्पादों पर जो टैरिफ था,उसे अमेरिका ने 50 परसेंट से घटाकर शून्य किया है। इनमें मसाले प्रमुख हैं,हमारे मसालों का बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। इसके अलावा चाय, कॉफी, नारियल, नारियल का तेल, सुपारी, काजू, वनस्पति मोम,एवोकाडो, केला, अमरूद, आम, कीवी, पपीता, अनानास, मशरूम तथा जौ जैसे कुछ अनाज भी इसमें सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि डब्बा बंद सब्जियां भी भारत नहीं आएंगे। वर्ष 2024-25 में 4.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने के साथ भारत ने वैश्विक निर्यातक के रूप में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी है और हमारे मसाला निर्यात में 88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब हमारे मसालों को भी नया बाजार मिलेगा। भारत अमेरिका से काली मिर्च, लौंग,सूखी हरी मिर्च, दालचीनी और अन्य पाउडर मसाले नहीं मंगवाएगा।

बंधक श्रम उन्मूलन दिवस पर आज नयी श्रमिक संहिताओं पर कार्यशाला

भोपाल। मध्य प्रदेश श्रम विभाग कल सोमवार, 9 फरवरी को बंधक श्रम उन्मूलन दिवस पर राजधानी भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेन्शन सेंटर (मिंटो हॉल) में कार्यशाला आयोजित करेगी। उद्घाटन सुबह 10 बजे श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल करेंगे। कार्यशाला में राज्य स्तरीय एक्शन प्लान का विमोचन भी होगा। जनसंपर्क अधिकारी आर.आर.पटेल ने बताया कि बंधक श्रम (बंधुआ मजदूरी) कराने वालों के विरुद्ध मध्य प्रदेश का श्रम विभाग 9 फरवरी बंधक श्रम उन्मूलन दिवस से विशेष अभियान भी शुरू करने जा रहा है। जो प्रदेशभर में महीनेभर जारी रहेगा। श्रम मंत्री की पहल पर विभाग ने बाल एवं बंधक श्रम को रोकने और जागरुकता लाने एक विशेष वेदा पहल की शुरुआत की है। बाल एवं कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत राज्य एक्शन प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा होगी। इसमें अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षण,पहचान,बचाव एवं पुनर्वास की प्रक्रिया पर चर्चा की जाएगी। बंधुआ श्रम (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के क्रियान्वयन के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अधिनियम की उपलब्धियों एवं वर्तमान चुनौतियों पर विचार किया जाएगा। नई चार श्रम संहिताओं के माध्यम से श्रमिकों, विशेषकर महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा एवं सामाजिक संरक्षण से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी।

यूजीसी के फैसलों के विरोध में करणी सेना ने निकाला मशाल-जुलूस

भोपाल। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) से जुड़े हालिया फैसलों के विरोध में रविवार शाम भोपाल में क्षत्रिय करणी सेना ने मशाल जुलूस निकाला। जुलूस भारत माता चौराहा से शुरू होकर राजभवन तक जाना था, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही उसे रोक लिया। राज्यपाल को ज्ञापन देने के लिए सिर्फ पांच लोगों को जाने की अनुमति दी। ज्ञापन सौंपकर यूजीसी के निर्णयों को लेकर समाज की आपत्तियां दर्ज कराई गईं। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा ने कहा कि यूजीसी काला कानून वापस लिया जाए। क्षत्रिय करणी सेना के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष और भोपाल जिला अध्यक्ष आशु सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा और प्रदेश महिला अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने की। उन्होंने कहा कि जुलूस में भोपाल सहित आसपास के जिलों से सैकड़ों करणी सैनिक शामिल हुए। इसके अलावा सवर्ण समाज के कई संगठन और आम नागरिक भी इस प्रदर्शन में भाग लिया।

एपीके स्केम जालसाजी को लेकर साइबर क्राइम की एडवायजरी जारी

भोपाल। साइबर क्राइम पुलिस भोपाल ने एपीके स्केम की जालसाजी से सतर्क रहने के लिये एडवायजरी जारी की है। एडवायजरी में बताया गया है कि इस तरह का स्कैम ऐप या .एपीके फाइल द्वारा साइबर ठग आपके मोबाइस को हैक कर सकती हैं। अपने जाल में फंसाकर ठग आपकी बैंक डिटेल, एसएमएस और ओटीपी जैसी जानकारी चुराकर आपके एकांउट से रकम चोरी कर सकते हैं। एडवायजरी में बताया गया है की फर्जी एपीके फाइले ई-चालान.एपीके, प्रधानमंत्री आवास.एपीके,5जी.एपीके, पीएमकियान योजना.एपीके और आरटीआ चालान.एपीके नाम की हो सकती है। किसी भी ईमेल,मेसेज या वाट्सअप के जरिये मिलने वाली अज्ञात फाइलों को कभी भी डाउनलोड न करें। एपीएके फाइल भेजने वाले की पहचान करें और संदिग्ध होने पर उसकी रिपोर्ट एवं ब्लॉक करें। अपने फोन पर इंस्टॉल अननॉन एप्स/सोर्स सुविधा को अक्षम रखें। अपने बैंक एकांउट से संबंधित जानकारी, ओटीपी, सीवीवी नंबर सहित अन्य निजी जानकारी किसी के साथ भी शेयर न करें और किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें। एडवायजरी में बताया गया है कि यदि किसी ने गलती या जल्दबाजी में फर्जी.एपीके फाइल इंस्टाल कर लिया है,तो तुरंत ही अपने मोबाइल का इंटरनेट बंद करें, साथ ही फौरन बैंक को सूचित करें और पासवर्ड बदलें।

तीन दिन डिजिटल अरेस्ट रहा मजदूर, साइबर ठगों ने डेढ़ लाख रुपए ठगे

भोपाल। भोपाल के छोला मंदिर थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक मजदूर को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट में रखा। ठगों ने उससे डेढ़ लाख रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। हालांकि,शिकायत मिलते ही पुलिस ने संबंधित खातों को होल्ड कराया और पीड़ित को ठगों के चंगुल से मुक्त कराया। पुलिस के मुताबिक 45 वर्षीय राजकुमार छोला इलाके में रहता है और मजदूरी करता है। तीन दिन पहले उसके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को एनआईए का अधिकारी बताया और कहा कि उसके खाते से एक आतंकी को फंडिंग की गई है। इससे पीड़ित घबरा गया। इसके बाद आरोपियों ने तस्दीक के नाम पर उसे वीडियो कॉल पर आने को कहा। वीडियो कॉल पर आते ही बदमाशों ने पुलिस लिखी स्कॉर्पियो दिखाई। नंबर बंद करने या फरार होने की कोशिश करने पर एन्काउंटर की धमकी दी गई। इससे घबराए फरियादी ने उनके सवालों के जवाब देना शुरू किए और स्वयं को निर्दोष बताया। इसके बाद आरोपियों ने कहा कि वह भला आदमी लगता है और उसे मामले से बाहर निकाल देंगे, लेकिन डिजिटल निगरानी में रहना होगा। पीड़ित ने इसके लिए हामी भर दी। इसके बाद आरोपी शुक्रवार से रविवार सुबह तक उसे निगरानी में रखे रहे।

मनुष्य से मनुष्य का प्रेम,सनातन संस्कृति की है विशेषता : मुख्यमंत्री मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने शहडोल में वॉटर पार्क लोकार्पण कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सच्चा वादा-पक्का काम ही राज्य सरकार की पहचान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय भाई-बहनों के सर्वांगीण विकास में जुटी है। जनजातीय भाई-बहनों का राजनीतिक,आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने सभी को माता शबरी जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निष्कपट भक्ति, समर्पण और साधना की सर्वोच्च प्रतीक शबरी मैया ने सारा जीवन रघुवर की प्रतीक्षा की। प्रेम में समर्पित इस प्रतीक्षा का फल केवल माता शबरी को ही नहीं मिला बल्कि स्वयं भगवान श्री राम को भी मिला। मनुष्य से मनुष्य का प्रेम ही सनातन संस्कृति की विशेषता है। भगवान श्रीराम और माता शबरी का प्रेम बताता है कि हमारे समाज में जातिवाद के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव शहडोल जिले के धनपुरी में नगर पालिका द्वारा 20 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए वॉटर पार्क के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने रविवार को दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव का साफा तथा गजमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इसके बन जाने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को लाइब्रेरी और कोचिंग जैसी शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने शहडोल सिंचाई काम्पलेक्स निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत सोन नदी पर 4 माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। लगभग 2300 करोड़ रुपए की इस योजना से 50 हजार हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, जिससे 122 गांव को लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैतपुर को नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि शहडोल मेडिकल कॉलेज में सीट वृद्धि के संबंध में विभाग से प्रस्ताव प्राप्त होने पर सीट वृद्धि की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने शहडोल जिले में 160 करोड रुपए लागत से 45 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा जैतपुर महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के भवन निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने नवीन महाविद्यालय आरंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने 3 किलोमीटर लंबे मॉडल रोड निर्माण पर भी सहमति प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि माता बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित है इसीलिए लाड़ली बहना योजना सहित महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना, लखपति ड्रोन दीदी योजना, रजिस्ट्री में माता-बहनों को 2 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

फिटनेस और एकता के संदेश के साथ दौड़ा भोपाल,उमड़ा जनसैलाब

टीटी नगर स्टेडियम में 3 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल,10 किमी लगाई दौड़

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के तात्या टोपे (टीटी) नगर स्टेडियम में रविवार की सुबह फिटनेस और एकता के रंग में रंगी नजर आई। श्री सत्य साई सेवा समिति द्वारा आयोजित 'स्पिरिट ऑफ यूनिटी रन' में करीब तीन हजार से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस नि:शुल्क मैराथन का उद्देश्य आमजन को शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा।कार्यक्रम में खेल मंत्री विश्वास सारंग, सत्य साई सेवा समिति के प्रांताध्यक्ष अमित दुबे, जिला अध्यक्ष सजल श्रीवास्तव सहित समिति के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। ठंड के बावजूद प्रतिभागियों का जोश देखते ही बन रहा था। सुबह 5 बजे से ही स्टेडियम में लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। दौड़ से पहले विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में जुंबा और वार्म-अप एक्सरसाइज का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चे,युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी संगीत की धुन पर उत्साह से थिरकते नजर आए। आयोजन को सभी के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से दौड़ को 3 किलोमीटर, 5 किलोमीटर और 10 किलोमीटर की तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया। समिति के अनुसार, इस कार्यक्रम के लिए लगभग 3800 प्रतिभागियों ने पूर्व पंजीयन कराया था। दौड़ पूरी करने वाले सभी प्रतिभागियों को सम्मान स्वरूप मेडल प्रदान किए गए। यह आयोजन केवल भोपाल तक सीमित नहीं रहा। विदिशा,रायसेन सहित आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में युवा और प्रोफेशनल धावक इसमें शामिल हुए। प्रतिभागियों में विभिन्न आयु वर्ग और पेशों से जुड़े लोग शामिल थे, जिन्होंने 'स्पिरिट ऑफ यूनिटी' यानी एकता की भावना को जीवंत कर दिया। सत्य साई सेवा समिति के जिला अध्यक्ष सजल श्रीवास्तव ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है। 'स्पिरिट ऑफ यूनिटी रन' के माध्यम से समिति ने समाज को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि नियमित व्यायाम और दौड़ न केवल शरीर को स्वस्थ रखती है, बल्कि मानसिक दृढ़ता और अनुशासन भी विकसित करती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धारकुंडी आश्रम में परम पूज्य संत शिरोमणि स्वामी सच्चिदानंद सदगुरु महाराज जी के दिव्य दर्शन किए।

युवती को घर में बंधक बनाकर लूट, नौकरानी का बेटा निकला आरोपी

गिरफ्तार हुआ आरोपी हत्या के प्रयास के मामले में जेल जा चुका है

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के टीटी नगर इलाके में एक युवती को उसी के घर में बंधक बनाकर लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पीड़ित माइनिंग विभाग में कर्मचारी है, जबकि आरोपी उसी के घर में काम करने वाली नौकरानी का बेटा निकला। आरोपी ने अपने नाबालिग मौसेरे भाई के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम हुई इस घटना में बदमाशों ने चाकू की नोक पर युवती को बंधक बनाकर 1.68 लाख रुपए नकद, एप्पल का आईफोन और अन्य कीमती सामान लूट लिया। कुल मिलाकर करीब सवा तीन लाख रुपए की लूट कर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने रविवार तड़के एफआईआर दर्ज कर मुख्य आरोपी और उसके नाबालिग साथी को गिरफ्तार कर लिया है। लूटी गई रकम और सामान भी बरामद कर लिया गया है। टीटी नगर थाना प्रभारी गौरव सिंह ने बताया कि पीड़ित अर्चना वर्मा (28) 98 क्वार्टर, टीटी नगर में रहती हैं। वह माइनिंग विभाग में असिस्टेंट ग्रेड-3 के पद पर कार्यरत हैं। उनके पिता सुरक्षा गार्ड हैं, जबकि मां का बीमारी के चलते पहले ही निधन हो चुका है। अर्चना ने घर के काम के लिए एक महिला को मेड के रूप में रखा था। उसी मेड का बेटा आशीष उर्फ गोली रायकवार इस वारदात का मुख्य आरोपी है, जो हाल ही में हत्या के प्रयास के एक मामले में जेल से छूटकर आया था। पुलिस के मुताबिक, आशीष पहले भी अपनी मां के साथ पीड़ित के घर छोटे-मोटे काम करता था और उसे घर की पूरी जानकारी थी। उसे यह भी पता था कि युवती के पिता किस समय ड्यूटी पर जाते हैं। इसी जानकारी का फायदा उठाकर उसने अपने 15 वर्षीय मौसेरे भाई के साथ लूट की योजना बनाई। घटना के दिन दोनों आरोपी काम के बहाने घर पहुंचे और गेट खटखटाया। जैसे ही दरवाजा खुला, उन्होंने धक्का देकर अंदर प्रवेश किया और चाकू की नोक पर युवती से घर में रखे कैश और कीमती सामान की जानकारी ली। करीब 15 मिनट में दोनों बदमाश लूटपाट कर फरार हो गए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उस पर समूह लोन का दबाव था और रिकवरी के लिए लगातार कॉल आ रहे थे। इसी कारण उसने लूट की योजना बनाई। आरोपी ने बताया कि बची हुई रकम से वह अपने शौक पूरे करना और नई बाइक खरीदना चाहता था।

राजधानी भोपाल में 11वीं की छात्रा से लव जिहाद मामले में हुई दूसरी गिरफ्तारी

आरोपी माज खान की कार में ओसाफ ने किया था रेप,मछली गैंग से भी नाता

भोपाल। भोपाल में एमडी तस्करी, लव जिहाद और जमीनें कब्जा करने वाले यासीन मछली गैंग का एक और अपराध सामने आया है। मछली गैंग के गिरफ्तार सदस्य मोनिस खान के छोटे भाई माज खान को रविवार को पुलिस ने खानूगांव लव जिहाद मामले में गिरफ्तार किया है। दरअसल, 2 जनवरी को कोहेफिजा पुलिस ने 11वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की थी। पीड़िता ने खानूगांव इलाके में कार में रेप करने, धर्म बदलने का दबाव बनाने और अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने इस मामले में 3 जनवरी को मुख्य आरोपी ओसाफ अली खान (19) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब रविवार को दूसरे आरोपी माज खान की गिरफ्तारी हुई है। वारदात में इस्तेमाल काले कांच की थार माज की ही थी। पूरा घटनाक्रम उसकी जानकारी में था। बता दें कि माज का बड़ा भाई मोनिस एमडी तस्करी मामले में जमानत पर है। माज खुद को एक प्रतिष्ठित जिम का संचालक बताता है। वहीं,डीसीपी जोन-3 अभिनव चौकसे ने माज को पेश कराने और बिना रिमांड लिए जेल भिजवाने की डील के आरोप में कोहेफिजा थाने के हेड कॉन्स्टेबल ज्ञानेंद्र दिवेदी को सस्पेंड कर दिया है। आरोप है कि ज्ञानेंद्र ने पूरी डील एक आलीशान होटल में की थी। ज्ञानेंद्र के संदिग्ध आचरण के चलते टीआई कृष्ण गोपाल शुक्ला ने 7 फरवरी को उसके खिलाफ प्रतिवेदन डीसीपी को सौंपा था, जिस पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की गई है। रेप और लव जिहाद का आरोपी ओसाफ 12वीं क्लास का छात्र है। उसके पिता डॉक्टर जबकि मां सरकारी स्कूल में टीचर हैं। कोहेफिजा थाना टीआई कृष्ण गोपाल शुक्ला के अनुसार, ओसाफ अक्सर छात्रा की सहेली से मिलने स्कूल के आसपास आता था। इसी सहेली के माध्यम से उसकी पहचान पीड़िता से हुई। पिछले साल जुलाई में आरोपी ने पीड़िता को भोपाल घुमाने के बहाने बुलाया और खानूगांव के सुनसान इलाके में ले गया। वहां कार के अंदर आरोपी ने छात्रा के साथ रेप किया। विरोध करने पर उसने शादी का झांसा देकर उसे चुप करा दिया। ओसाफ ने पीड़िता को पता चले बिना रेप के दौरान उसका वीडियो बना लिया था। कुछ समय बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर छात्रा से 1 लाख रुपए की मांग की। बदनामी के डर से छात्रा ने किसी तरह 40 हजार रुपए का इंतजाम कर आरोपी को दिए। 40 हजार रुपए लेने के बाद भी ओसाफ की ब्लैकमेलिंग जारी रही। वह बार-बार शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालता रहा।

आनंद प्रकाश शर्मा द्वारा लिखित कृति अंतत: इश्क का हुआ लोकार्पण

भोपाल। शहर के वरिष्ठ लेखक व साहित्यकार आनंद प्रकाश शर्मा के प्रतिनिधित्व में सर्वोदय साहित्यकार मंच का एक प्रतिनिधि मंडल भोपाल पहुंचा,जहां मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक एवं राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के मंत्री सम्माननीय डॉ.विकास दवे जी से सौजन्य भेंट की गई। प्रतिनिधि मंडल में मंच अध्यक्ष अंजु जाटव,ऑफिस रीडर अनीता बाथरे,वेद प्रकाश व्यास,नर्मदा प्रसाद सहित अन्य साहित्यकार शामिल रहे। इस अवसर पर आनंद प्रकाश शर्मा द्वारा लिखित सर्व भाषा ट्रस्ट दिल्ली से प्रकाशित कृति अंतत: इश्क,जो हाल ही में विश्व पुस्तक मेले में उपलब्ध हुई थी, डॉ. दवे को भेंट कर लोकार्पित की गई। साथ ही स्वस्तिका अनुसार कामधेनु गाय का स्मृति चिन्ह भी सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। गौरतलब है कि आनंद प्रकाश शर्मा इन दिनों अपनी चर्चित पुस्तक हजार कविताओं का उत्सव को लेकर देशभर में चर्चा में हैं। इस कृति की प्रेरणा स्वयं डॉ. विकास दवे से प्राप्त हुई थी। आगे चलकर इस पुस्तक ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान बनाया।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701